

RESULT MITRA

(Most Trusted IAS/PCS Institute)

71ST BPSC TEST SERIES MODEL ANSWER

FREE TEST-5 (FULL LENGTH)- HINDI

Join Us:



हमारे 140 Students ने
दिया 70th BPSC
Mains



9667693596

महत्वपूर्ण सूचना

प्रिय साथियों,

Result Mitra आपके सिलेक्शन तक आपके साथ बना रहा हैं और आगे भी बना रहेगा। इसी commitment के साथ, हमने निर्णय लिया है कि 20 सितंबर से 71वीं BPSC MAINS की टेस्ट सीरीज शुरू की जाएगी। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप BPSC PRELIMS परीक्षा को अवश्य उत्तीर्ण करेंगे। इसलिए यह समय अब रुकने का नहीं, बल्कि MAINS की तैयारी को सही दिशा और सही approach के साथ निरंतर मेहनत जारी रखने का है।

विदित है कि पिछली 70वीं BPSC MAINS टेस्ट सीरीज में हमारे लगभग 40% प्रश्न परीक्षा में आए थे। इस बार (71वीं BPSC MAINS) हम नया इतिहास रचने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अतः साथियों, इस अवसर को हाथ से जाने न दें। आइए, Result Mitra MAINS टेस्ट सीरीज प्रोग्राम के साथ जुड़े और बेहतर भविष्य के लिए बेहतर परिणाम को सुनिश्चित करें।

धन्यवाद

9235313184, 9667693596

1. C. डाइक्लोरो डाइफिनाइल ट्राइक्लोरो एथेन

व्याख्या :

- **DDT** एक पारंपरिक और प्रसिद्ध कीटनाशक (Insecticide) है, जिसे मच्छरों व अन्य हानिकारक कीटों को मारने के लिए प्रयोग किया जाता था। हालांकि इसके पर्यावरणीय व स्वास्थ्य दुष्प्रभावों के कारण अब अधिकतर देशों में प्रतिबंधित है, लेकिन इसे "आमतौर पर प्रयुक्त कीटनाशक" का क्लासिक उदाहरण माना जाता है।
- **बोर्डो मिश्रण** → फफूंदनाशी (Fungicide) है।
- **2,4-D** → शाकनाशी (Herbicide) है।
- **ग्लाइफोसेट** → व्यापक उपयोग वाला शाकनाशी (Herbicide) है।

2. C. शुक्र एवं मंगल

व्याख्या :

हमारे सौर मंडल के विभिन्न ग्रहों के वायुमंडल में अलग-अलग गैसों प्रमुख रूप से पाई जाती हैं।

- **शुक्र** : इसका वायुमंडल बहुत घना है और लगभग **96% CO₂** से बना है। यही कारण है कि यहाँ अत्यधिक ग्रीनहाउस प्रभाव होता है और सतह का तापमान अत्यधिक ($\sim 465^{\circ}\text{C}$) है।
- **मंगल** : इसका वायुमंडल पतला है और लगभग **95% CO₂** से बना है।
- **बुध** : इसका वायुमंडल लगभग नहीं के बराबर है, इसमें CO₂ नहीं पाई जाती।
- **शनि** : यह गैस दानव ग्रह है, जिसके वायुमंडल में मुख्यतः हाइड्रोजन और हीलियम होते हैं।

3. B. ठोस अवस्था में विद्युत चालकता

व्याख्या

- आयनिक यौगिक धनायन और ऋणायन से बने होते हैं जो मजबूत वैद्युत स्थैतिक आकर्षण द्वारा क्रिस्टलीय जालक में व्यवस्थित रहते हैं।

- इसी कारण इनका गलनांक और क्वथनांक सामान्यतः बहुत ऊँचा होता है तथा अधिकांश आयनिक यौगिक जल में विलेय होते हैं।
- जब ये गलित अवस्था या जलीय विलयन में होते हैं तो आयन स्वतंत्र रूप से गतिमान होकर विद्युत प्रवाहित कर सकते हैं।
- परन्तु ठोस अवस्था में आयन जालक में बंधे रहते हैं, स्वतंत्र गति नहीं कर पाते, इसलिए विद्युत चालकता नहीं दिखाते। यही कारण है कि ठोस अवस्था में आयनिक यौगिक विद्युत के अच्छे चालक नहीं होते।

4. A. CO, H₂, CO₂ और N₂ का गैस मिश्रण

व्याख्या :

सिनगैस (Synthesis Gas / Producer Gas) मुख्यतः कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) और

हाइड्रोजन (H₂) का मिश्रण है। इसमें थोड़ी मात्रा में CO₂ और N₂ भी हो सकते हैं। यह गैस मिश्रण कोयले, बायोमास या हाइड्रोकार्बन के गैसीकरण तथा आंशिक ऑक्सीकरण से तैयार किया जाता है। सिनगैस का नाम "सिंथेसिस गैस" इसलिए पड़ा क्योंकि इसका उपयोग मेथेनॉल, अमोनिया और हाइड्रोकार्बन ईंधनों के संश्लेषण में किया जाता है। यह औद्योगिक रूप से एक बहुत ही महत्वपूर्ण ईंधन एवं कच्चा माल है।

5. D. रेज़िन

व्याख्या :

- **बहुलक** वे बड़े अणु होते हैं जो छोटे-छोटे अणुओं (मोनोमर) के आपस में जुड़ने से बनते हैं।
- **संश्लिष्ट बहुलक** वे हैं जिन्हें कृत्रिम रूप से प्रयोगशाला या उद्योगों में बनाया जाता है।
 - **पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड)** → पाइप और तार-कोटिंग में प्रयोग।
 - **नायलॉन** → कृत्रिम तंतु, वस्त्रों व रस्सियों में प्रयोग।

- **पॉलीस्टाइरीन**→पैकेजिंग और प्लास्टिक में प्रयोग।

- **रेज़िन**→यह प्राकृतिक रूप से पेड़ों/वनस्पतियों से प्राप्त पदार्थ है, जैसे चीड़ का रेज़िन। इसे कृत्रिम रूप से संश्लेषित नहीं किया जाता, इसलिए यह संश्लिष्ट बहुलक की श्रेणी में नहीं आता।

6. (B) प्रोकैरियोटिक

व्याख्या :

- नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाले जीवाणु **प्रोकैरियोटिक** होते हैं, जिनमें वास्तविक केन्द्रक और झिल्ली-बद्ध कोशिकांग नहीं पाए जाते।
- इनमें **मुक्त जीवाणु** जैसे **एजोटोबैक्टर**, **क्लॉस्ट्रिडियम** तथा **सहजीवी जीवाणु** जैसे **राइजोबियम** (दलहनी पौधों की जड़ों में) और **फ्रैंकिया** शामिल हैं।
- साथ ही **साइनोबैक्टीरिया** जैसे **एनाबेना** और **नॉस्टॉक** भी नाइट्रोजन स्थिरीकरण करते हैं, जो विशेष प्रकार की कोशिकाओं (**हेटरोसिस्ट**) की मदद से होता है।
- युकैरियोटिक जीव नाइट्रोजन स्थिरीकरण नहीं कर सकते। यह क्षमता केवल प्रोकैरियोटिक जीवों में पाई जाती है, जो मृदा उर्वरता और पौधों की वृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

7. (D) डोप परीक्षण

व्याख्या:

- **डोप परीक्षण** या डोपिंग परीक्षण खेल जगत में प्रयोग की जाने वाली एक वैज्ञानिक पद्धति है, जिसका उद्देश्य यह जानना होता है कि किसी खिलाड़ी ने **प्रदर्शन-बढ़ाने वाली दवाएँ** जैसे स्टेरॉयड या मानव विकास हार्मोन ली हैं या नहीं। यह परीक्षण आमतौर पर खिलाड़ी के **मूत्र** या **रक्त** सैंपल की जांच कर करता है

- **ईईजी (EEG):** यह मस्तिष्क की विद्युत गतिविधियों को रिकॉर्ड करता है, नशीली या प्रदर्शन-बढ़ाने वाली दवाओं का पता लगाने के लिए नहीं।
- **नार्को परीक्षण:** अपराध की जांच में संदिग्ध से जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रयुक्त होता है।
- **एलिसा परीक्षण (ELISA):** एंटीजन, एंटीबॉडी, हार्मोन या प्रोटीन की जांच के लिए उपयोगी, HIV व अन्य रोगों में प्रयुक्त।

8. (A) सेल्यूलोज

व्याख्या:

- **सेल्यूलोज:** पौधों की कोशिका भित्ति मुख्य रूप से सेल्यूलोज नामक पॉलीसैकेराइड से बनी होती है, जो मजबूती और संरचनात्मक सहारा प्रदान करता है।
- **कार्बोहाइड्रेट:** एक व्यापक वर्ग है; सेल्यूलोज स्वयं कार्बोहाइड्रेट का ही प्रकार है, लेकिन कोशिका भित्ति विशेष रूप से सेल्यूलोज से बनी होती है।
- **लिपिड:** ये वसा यौगिक हैं, जो झिल्ली (cell membrane) में पाए जाते हैं, भित्ति में नहीं।
- **लाइपोप्रोटीन:** प्रोटीन और लिपिड का संयोजन है, झिल्ली में पाया जाता है, कोशिका भित्ति का निर्माण नहीं करता।

9. (D) ज़ेरोफाइटिक

व्याख्या :

- ज़ेरोफाइटिक पौधे वे होते हैं जो **सूखे एवं मरुस्थलीय क्षेत्रों** में पाए जाते हैं, जहाँ जल की कमी होती है। इन पौधों ने पानी की बचत करने के लिए विशेष अनुकूलन विकसित किए हैं—जैसे **कांटेदार पत्तियाँ**, जो वाष्पोत्सर्जन को कम करती हैं, तथा मोटी मोमी क्यूटिकल, जो पानी को सुरक्षित रखने में मदद करती है। उदाहरण: **कैक्टस**, **अगावे**, **ऑपंटिया** आदि।
- **हेलोफाइटिक पौधे:** ये खारे वातावरण जैसे मेंगोव क्षेत्रों में उगते हैं।

- **हाइड्रोफाइटिक पौधे:** ये पानी में रहने वाले पौधे हैं, जैसे कमल, हाइड्रिला।
- **एपिफाइट:** ये दूसरे पौधों पर उगते हैं परंतु उनसे भोजन नहीं लेते, जैसे ऑर्किड।

- **कवक पौधों का हिस्सा नहीं हैं** क्योंकि ये जीवाणु जैसे होते हैं और उनके पास क्लोरोफिल नहीं होता, इस कारण ये प्रकाश संश्लेषण नहीं कर पाते।

10. (A) दोनों स्ट्रैण्ड्स की पूरकता

व्याख्या :

डीएनए के दोनों स्ट्रैण्ड्स पूरक (Complementary) होते हैं। एडेनिन हमेशा थाइमिन से तथा ग्वानिन हमेशा साइटोसिन से जुड़ता है। यही गुण डीएनए को सटीक रूप से **प्रतिलिपि (Replication)** बनाने में सक्षम बनाता है। जब कोशिका विभाजन होता है तो प्रत्येक स्ट्रैण्ड नई पूरक श्रृंखला बनाता है, जिससे आनुवंशिक जानकारी बिना परिवर्तन के अगली पीढ़ी तक पहुँच जाती है।

11. (B) बलाघूर्ण और कार्य

व्याख्या:

- **कार्य :** $=ML^2T^{-2}$
- **बलाघूर्ण :** $=ML^2T^{-2}$

दोनों का **विमीय सूत्र समान** है। हालाँकि **कार्य** अदिश राशि है, जबकि **बलाघूर्ण** सदिश राशि है।

राशि	SI इकाई	विमीय सूत्र
बल	न्यूटन (N) = $kg \cdot m/s^2$	$M^1L^1T^{-2}$
दाब	पास्कल (Pa) = N/m^2	$M^1L^{-1}T^{-2}$
बलाघूर्ण	न्यूटन-मीटर (N·m)	$M^1L^2T^{-2}$
कार्य	जूल (J) = $N \cdot m$	$M^1L^2T^{-2}$
ऊर्जा	जूल (J) = $N \cdot m$	$M^1L^2T^{-2}$
संवेग	$kg \cdot m/s$	$M^1L^1T^{-1}$
शक्ति	वाट (W) = J/s	$M^1L^2T^{-3}$

12. (C) केवल (i), (ii), (iv) और (v)

व्याख्या :

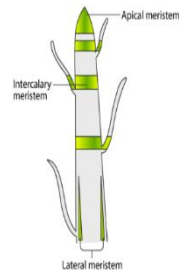
प्लांटी जगत में वे सभी जीव आते हैं जो **पौधों** की श्रेणी में आते हैं। इनमें **शैवाल, टैरिडोफाइट, जिम्नोस्पर्म और एंजियोस्पर्म** शामिल होते हैं। ये सभी पौधों के वर्ग हैं जो **प्रकाश संश्लेषण** के माध्यम से ऊर्जा प्राप्त करते हैं।

13. A. (i) → C, (ii) → B, (iii) → A

व्याख्या :

1. शीर्षस्थ विभज्योतक (Apical

Meristem): यह ऊतक **तने और जड़ों के अग्रभाग** में स्थित होता है। यह ऊतक **लंबाई**



Meristematic Tissue - Based on Occurrence

में **वृद्धि** के लिए जिम्मेदार होता है। जब यह ऊतक सक्रिय होता है, तो पौधा ऊपर की ओर बढ़ता है। उदाहरण: पत्तियाँ और फूल शीर्षस्थ विभज्योतक से उत्पन्न होते हैं।

2. अंतर्विष्ट विभज्योतक (Intercalary

Meristem): यह ऊतक **पर्वसंधियों के पास** पाया जाता है। यह पौधों में **द्रुत वृद्धि** के लिए जिम्मेदार है, विशेषकर **घास और बांस** जैसे पौधों में। अंतर्विष्ट विभज्योतक की सहायता से पौधे की शाखाएँ और पत्तियाँ लंबी हो सकती हैं।

पार्श्व विभज्योतक (Lateral Meristem): यह ऊतक **तने और जड़ों की परिधि** में स्थित होता है और पौधों के **व्यास में वृद्धि** के लिए जिम्मेदार होता है। इसका कार्य पौधे की मोटाई बढ़ाना है।

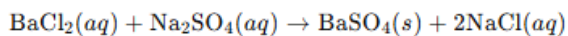
14. (C) द्विविस्थापन अभिक्रिया

व्याख्या:

द्विविस्थापन अभिक्रिया वह रासायनिक अभिक्रिया है, जिसमें दो यौगिकों के आयन एक-दूसरे के साथ आदान-प्रदान करते हैं और नए यौगिकों का निर्माण करते हैं। यह अभिक्रिया विशेष रूप से विलयन में

होती है, जहां किसी अणु या आयन का स्थान दूसरे अणु या आयन द्वारा लिया जाता है।

उदाहरण:

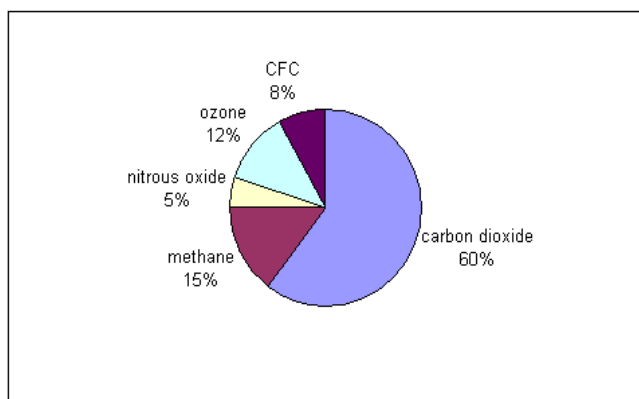


इसमें Ba^{2+} और SO_4^{2-} आयन $BaSO_4$ (अवक्षेप) में बदल जाते हैं, जबकि Na^+ और Cl^- आयन $NaCl$ में रहते हैं। यह आयन आदान-प्रदान की प्रक्रिया है, जो द्विविस्थापन अभिक्रिया को प्रदर्शित करती है। अन्य विकल्प:

- **वियोजन अभिक्रिया:** एक यौगिक टूटकर दो या अधिक पदार्थों में विभाजित होता है।
- **संयोजन अभिक्रिया:** दो या अधिक पदार्थ मिलकर एक नया यौगिक बनाते हैं।
- **विस्थापन अभिक्रिया:** एक तत्व दूसरे तत्व को स्थानांतरित करता है, जैसे धातु-धातु विस्थापन।

15. A. जल वाष्प

व्याख्या:



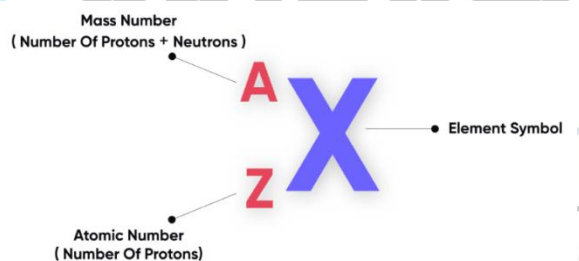
- **जल वाष्प:** जल वाष्प पृथ्वी के वायुमंडल में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला ग्रीनहाउस गैस है। यह सूर्य से आने वाली ऊर्जा को पृथ्वी की सतह से अवशोषित कर उसे गर्म करता है, जिससे ग्रीनहाउस प्रभाव उत्पन्न होता है। जल वाष्प तापमान पर निर्भर करता है और यह एक प्रतिक्रिया तंत्र

के रूप में कार्य करता है, न कि एक प्राथमिक कारण के रूप में।

- **नाइट्रोजन:** नाइट्रोजन पृथ्वी के वायुमंडल का लगभग 78% हिस्सा है, लेकिन यह ग्रीनहाउस प्रभाव में योगदान नहीं करता क्योंकि यह एक गैर-ग्रीनहाउस गैस है।
- **सल्फर डाइऑक्साइड:** यह गैस वायुमंडल में एरोसोल कणों का निर्माण करती है, जो सूर्य की किरणों को परावर्तित करके पृथ्वी को ठंडा कर सकते हैं, लेकिन यह ग्रीनहाउस प्रभाव में योगदान नहीं करती।
- **ऑक्सीजन:** ऑक्सीजन भी वायुमंडल का एक महत्वपूर्ण घटक है (लगभग 21%), लेकिन यह ग्रीनहाउस प्रभाव में योगदान नहीं करती है क्योंकि यह इन्फ्रारेड विकिरण को अवशोषित नहीं करती।

16.D. 16

व्याख्या:



न्यूट्रॉन की संख्या निकालने के लिए, द्रव्यमान संख्या (A) से परमाणु संख्या (Z) को घटाया जाता है:

न्यूट्रॉन की संख्या = द्रव्यमान संख्या - परमाणु संख्या

न्यूट्रॉन की संख्या = 32 - 16 = 16

इसलिए, इसमें उपस्थित न्यूट्रॉन की संख्या 16 है।

17. (D) कार्यांतरण

व्याख्या:

उभयचरों जैसे मेंढक और टोड का टैडपोल लार्वा रूप होता है। यह जल में रहने वाला, पूंछ वाला और श्वसन के लिए गिल्स का उपयोग करने वाला होता

है। लेकिन जैसे ही टैडपोल परिपक्व होता है, उसमें कई महत्वपूर्ण शारीरिक परिवर्तन होते हैं, जैसे:

- पूँछ का गायब होना
- गिल्स का लुप्त होना और फेफड़ों का विकास
- पैरों का विकास और चार अंगुलियाँ बनना

यह पूरी प्रक्रिया कायांतरण

(Metamorphosis) कहलाती है। कायांतरण वह जैविक प्रक्रिया है जिसमें एक लार्वा अपने शरीर में संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तन करता है, और धीरे-धीरे वह वयस्क रूप में परिवर्तित हो जाता है।

18. (C) 120 mm of Hg

विस्तृत व्याख्या:

रक्तचाप (Blood Pressure):

रक्तचाप वह दबाव है जो रक्त धमनियों की दीवारों पर रक्त के प्रवाह से उत्पन्न होता है। इसे मिलीमीटर पारा (mm of Hg) में मापा जाता है। सामान्य रक्तचाप, जो एक स्वस्थ वयस्क व्यक्ति के लिए आमतौर पर 120/80 mmHg होता है।

- **सिस्टोलिक दबाव (Systolic Pressure):** यह वह दबाव है जब हृदय संकुचित होकर रक्त को धमनियों में धकेलता है। सामान्य सिस्टोलिक रक्तचाप लगभग 120 mm of Hg होता है।

- **डायस्टोलिक दबाव (Diastolic Pressure):** यह वह दबाव है जब हृदय पूर्ण रूप से विश्राम करता है और रक्त को वापस भरने का समय होता है। सामान्य डायस्टोलिक रक्तचाप लगभग 80 mm of Hg होता है।

Note : यदि सिस्टोलिक दबाव 120 mm of Hg से अधिक हो, तो इसे हाइपरटेंशन (High Blood Pressure) माना जा सकता है, और यदि यह सामान्य से कम हो (90 mm of Hg से नीचे), तो इसे हाइपोटेंशन (Low Blood Pressure) कहा जाता है।

19. B. केवल 3

व्याख्या:

- **कथन 1:** गलत है। सुपरकंप्यूटरों में आमतौर पर एक से अधिक प्रसंस्करण इकाइयाँ होती हैं, ताकि वे समानांतर प्रसंस्करण के माध्यम से उच्च प्रदर्शन प्राप्त कर सकें।
- **कथन 2:** गलत है। PARAM Ganga को विशेष रूप से ISRO के लिए नहीं, बल्कि IIT Roorkee में स्थापित किया गया था, और यह राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (NSM) के तहत एक पेटास्केल सुपरकंप्यूटर है।
- **कथन 3:** सही है। PARAM Shivay भारत में स्वदेशी रूप से असेंबल किया गया पहला सुपरकंप्यूटर है, जिसे IIT (BHU) में स्थापित किया गया था।

20. A. 104 °F

व्याख्या:

फारेनहाइट (°F) और सेल्सियस (°C) के बीच रूपांतरण का सूत्र है:

$$^{\circ}\text{F} = (^{\circ}\text{C} \times 9/5) + 32$$

जब 40°C को फारेनहाइट में बदलते हैं:

$$(40 \times 9/5) + 32 = 104^{\circ}\text{F}$$

इसलिए, 40 डिग्री सेल्सियस का फारेनहाइट में मान 104°F होता है।

21. D. 2 और 3

व्याख्या:

- **तनाव (Stress):** इसका मात्रक न्यूटन प्रति मीटर² (N/m²) होता है।
- **सापेक्षिक घनत्व (Relative Density):** यह एक निराकार राशि है, और इसका कोई मात्रक नहीं होता।
- **विकृति (Strain):** यह भी निराकार राशि है, जिसका कोई मात्रक नहीं होता।

इसलिए, सापेक्षिक घनत्व और विकृति का कोई मात्रक नहीं होता।

22. (B) शर्करा का शराब में रूपांतरण

व्याख्या:

- **किण्वन** एक जैव रासायनिक प्रक्रिया है, जिसमें **सूक्ष्मजीव**, जैसे कि **खमीर**, **शर्करा (ग्लूकोज)** को **एल्कोहल (एथेनॉल)** और **कार्बन डाइऑक्साइड** में बदलते हैं, यह प्रक्रिया **ऑक्सीजन के बिना** होती है।
- **विकल्प (a): स्टार्च का शर्करा में रूपांतरण** किण्वन नहीं है। यह एक प्रक्रिया है जिसे **एन्जाइमेटिक हाइड्रोलिसिस** कहा जाता है, जिसमें स्टार्च को शर्करा में बदला जाता है ताकि किण्वन प्रक्रिया शुरू हो सके।
- **विकल्प (b): शर्करा का शराब में रूपांतरण** किण्वन का **क्लासिक उदाहरण** है। इसमें **खमीर शर्करा को एथेनॉल (शराब) और कार्बन डाइऑक्साइड में बदलता है**, जो शराब निर्माण में उपयोग होता है।
- **विकल्प (c): प्रोटीन का शर्करा में रूपांतरण** किण्वन से संबंधित नहीं है, क्योंकि किण्वन केवल शर्करा का उपयोग करता है, न कि प्रोटीन का।
- **विकल्प (d): शराब बनाने के लिए खमीर डालना** किण्वन प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन असल प्रक्रिया **शर्करा का शराब में रूपांतरण** है, जो खमीर द्वारा किया जाता है।

23.B. घटती है

व्याख्या:

अर्धचालकों की प्रतिरोधकता का तापमान पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, अर्धचालक सामग्री में स्थित वैलेंस इलेक्ट्रॉन अधिक ऊर्जा प्राप्त कर कंडक्शन बैंड में कूद जाते हैं, जिससे अधिक चार्ज कैरियर्स उत्पन्न होते हैं। इससे अर्धचालक की चालकता बढ़ती है और प्रतिरोधकता घटती है। यह गुण अर्धचालकों को तापमान संवेदनशील उपकरणों, जैसे थर्मिस्टर्स, में उपयोगी बनाता है।

24. B. पूर्ण आंतरिक परावर्तन

व्याख्या:

कमल के पत्तों पर जल की बूँदें पूर्ण आंतरिक

परावर्तन के कारण चमकती हैं। जब जल की बूँदें कमल के पत्ते पर गिरती हैं, तो उनकी गोल आकृति और उच्च सतही तनाव के कारण प्रकाश पूरी तरह से जल की बूँद के अंदर से परावर्तित हो जाता है। यह आंतरिक परावर्तन जल की बूँदों को चमकदार बनाता है।

25. D. लैक्टोज

व्याख्या:

फ्रक्टोज सबसे मीठा शक्कर होता है, जो फलों और शहद में पाया जाता है। इसके बाद **ग्लूकोज** और **सुक्रोज (चीनी)** आते हैं, जो मीठे होते हैं। **लैक्टोज**, जिसे दूध में पाया जाता है, सभी शर्करों में से सबसे कम मीठा होता है। लैक्टोज एक **डाइसैकराइड** है, जिसमें **ग्लूकोज** और **गैलैक्टोज** मिलकर बनते हैं, लेकिन इन दोनों का मिश्रण अन्य शर्कराओं के मुकाबले कम मीठा होता है।

26. (A) 1(c), 2(b), 3(a), 4(d)

व्याख्या:

यहां सही मिलान के साथ फलों और उनके खाने योग्य भागों की सूची दी गई है:

1. **सेब** - पुष्पासन
2. **गहूँ** - भ्रूणपोष एवं भ्रूण
3. **आम** - मध्य फलभित्ति
4. **कटहल** - परिदल पुंज एवं बीज

महत्वपूर्ण सूचना

प्रिय साथियों,

Result Mitra आपके सिलेक्शन तक आपके साथ बना रहा है और आगे भी बना रहेगा। इसी commitment के साथ, हमने निर्णय लिया है कि 20 सितंबर से 71वीं BPSC MAINS की टेस्ट सीरीज शुरू की जाएगी। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप BPSC PRELIMS परीक्षा को अवश्य उत्तीर्ण करेंगे। इसलिए यह समय अब रुकने का नहीं, बल्कि MAINS की तैयारी को सही दिशा और सही approach के साथ निरंतर मेहनत जारी रखने का है।

विदित है कि पिछली 70वीं BPSC MAINS टेस्ट सीरीज में हमारे लगभग 40% प्रश्न परीक्षा में आए थे। इस बार (71वीं BPSC MAINS) हम नया इतिहास रचने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अतः, साथियों, इस अवसर को हाथ से जाने न दें। आइए, Result Mitra MAINS टेस्ट सीरीज प्रोग्राम के साथ जुड़े और बेहतर भविष्य के लिए बेहतर परिणाम को सुनिश्चित करें।

धन्यवाद 🙏

9235313184, 9667693596

27. (C) मादा एनोफेलीज मच्छर

व्याख्या:

मलेरिया परजीवी का रोग-वाहक **मादा ऐनोफेलीज मच्छर** है। यह मच्छर जब मानव को काटता है, तो मलेरिया परजीवी (Plasmodium) को अपने शरीर से मानव के रक्त में प्रवेश कराता है। नर मच्छर मलेरिया परजीवी को नहीं फैलाते, क्योंकि वे रक्त नहीं पीते। मादा ऐनोफेलीज मच्छर ही रक्त पीने के लिए मानव के पास आती है और मलेरिया के संक्रमण को फैलाती है। ऐनोफेलीज मच्छर विशेष रूप से गर्म और आर्द्र जलवायु में पाया जाता है और मलेरिया के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

28. (A) ताम्र

व्याख्या:

ताम्र (कॉपर) मानव इतिहास में सबसे पहले खोजा गया तत्व है। इसका उपयोग लगभग 9000 ईसा पूर्व से शुरू हुआ था, क्योंकि यह प्राकृतिक रूप में उपलब्ध होता था और प्राचीन सभ्यताओं ने इसे पहला धातु माना।

- **स्वर्ण** भी प्राचीन काल से जाना जाता था और आभूषण और मुद्रा के रूप में उपयोग किया जाता था, लेकिन **ताम्र** का उपयोग पहले हुआ था।
- **ऑक्सीजन** और **यूरेनियम** जैसे तत्वों की खोज आधुनिक काल में हुई थी, **ऑक्सीजन** का पता 18वीं सदी में और **यूरेनियम** का 19वीं सदी में लगाया गया था। इसलिए, **ताम्र** को सबसे पहले खोजा गया तत्व माना जाता है।

29. (C) ज्वारीय ऊर्जा

व्याख्या:

ऊर्जा स्रोतों को दो प्रकारों में बाँटा जाता है:

- **पारंपरिक स्रोत:** इनमें **कोयला**, **पेट्रोलियम**, और **प्राकृतिक गैस** जैसे स्रोत शामिल हैं, जो सीमित होते हैं, गैर-नवीकरणीय होते हैं, और इनके उपयोग से पर्यावरणीय प्रदूषण होता है।

- **अपारंपरिक (नवीकरणीय) स्रोत:** इनमें **सौर ऊर्जा**, **पवन ऊर्जा**, **ज्वारीय ऊर्जा**, और **भू-तापीय ऊर्जा** जैसे स्रोत शामिल हैं, जो नवीकरणीय, प्रचुर मात्रा में उपलब्ध और पर्यावरण के लिए सुरक्षित होते हैं।

ज्वारीय ऊर्जा महासागरों में ज्वार-भाटा से उत्पन्न होती है, जो चंद्रमा और सूर्य के गुरुत्वाकर्षण बल के कारण होती है। इसे **अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत** माना जाता है क्योंकि यह एक **नवीकरणीय, स्वच्छ और प्रदूषण-मुक्त स्रोत** है। ज्वारीय ऊर्जा का उपयोग विद्युत उत्पादन के लिए किया जा सकता है, खासकर तटीय क्षेत्रों में।

30. B) श्वेत रक्त कण रोगों से प्रतिरक्षा प्रदान करते हैं

व्याख्या :

मानव रक्त मुख्यतः दो भागों से बना होता है - प्लाज़्मा (55%) और गठित तत्व (45%)। गठित तत्वों में लाल रक्त कण (RBCs), श्वेत रक्त कण (WBCs) तथा प्लेटलेट्स शामिल हैं।

- RBCs हीमोग्लोबिन के द्वारा ऑक्सीजन व कार्बन डाइऑक्साइड का परिवहन करते हैं।
- प्लेटलेट्स रक्त का थक्का जमाने (clotting) में सहायक होते हैं।
- WBCs शरीर की रक्षा कोशिकाएँ हैं, जो रोग-प्रतिरोधक क्षमता (immunity) प्रदान करती हैं। इसीलिए सही उत्तर है - श्वेत रक्त कण (WBCs) रोगों से प्रतिरक्षा प्रदान करते हैं।

31. (D) केवल D

व्याख्या:

- **D** सही है क्योंकि विभिन्न सूचकों (Indicators) का रंग परिवर्तन उनकी रासायनिक संरचना और pH रेंज पर निर्भर करता है।
- **A, B, C** गलत हैं क्योंकि:
 - सभी सूचक दोनों स्थितियों में रंग नहीं बदलते।

- कुछ सूचक जैसे फेनोल्फथेलिन सिर्फ क्षार में रंग बदलते हैं।

कुछ जैसे लिटमस मिथाइल ऑरेंज दोनों में रंग बदलते हैं।

32. (C) a-b-c

सातवाहन:

- इसकी स्थापना ईसा पूर्व 2वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में हुई थी।
- संस्थापक - सिमुक।
- सिमुक ने कण्व सत्ता को समाप्त करके अपने साम्राज्य की नींव रखी।
- अंतिम शासक - विजया सत्कारणी।

वाकाटक:

- 3वीं शताब्दी तक सातवाहन साम्राज्य समाप्त हो चुका था।
- इसके बाद, विन्ध्यशक्ति, एक ब्राह्मण कुलपति ने वाकाटक साम्राज्य की स्थापना की।
- वे गुप्तों के समकालिक थे, जो उत्तर भारत में थे।
- पृथ्वीसैन II, वाकाटक वंश की नंदिवर्धन शाखा के अंतिम ज्ञात शासक हैं।

चालुक्य:

- इस वंश की स्थापना पुलकेशिन I ने 543 में की थी।
- उन्होंने 6वीं शताब्दी से 12वीं शताब्दी तक दक्षिण और मध्य भारत के हिस्सों पर शासन किया।
- पुलकेशिन II को चालुक्य वंश का प्रमुख शासक माना जाता है। उन्हें पलव वंश के नरसिंहवर्मन I द्वारा पराजित किया गया था।
- कृतिवर्मन II को चालुक्य का अंतिम शासक माना जाता है। उन्हें राष्ट्रकूट राजा दंतिदूर्ग ने अपदस्थ किया।

33. (C)

व्याख्या:

- पाण्ड्य राज्य में अश्व समुद्र के रास्ते से मंगवाए जाते थे। अतः कथन (1) असत्य है।
- 'एनाडि' की उपाधि सेनाध्यक्षों को औपचारिक अनुष्ठान के साथ दी जाती थी। अतः कथन (2) सत्य है।
- परियार लोग खेत मजदूर थे, साथ ही ये लोग पशु चर्म का कार्य भी करते थे, और चटाई के रूप में इनका इस्तेमाल करते थे। अतः कथन (3) सत्य है।

34. (C)

व्याख्या:

- माठरों ने पाँचवीं सदी के मध्य से वर्ष को बारह चन्द्रमासों में विभाजित किया, इससे मौसम की सही प्रकार से जानकारी हुई जो कृषि-कार्यों में उपयोगी सिद्ध हुआ।
- माठरों (Mathar) राजवंश ने पाँचवीं शताब्दी के मध्य से वर्ष को बारह चन्द्रमासों में विभाजित किया था। माठरों ने चन्द्रमास आधारित कैलेंडर को अपनाया, जिसमें प्रत्येक वर्ष को 12 चन्द्रमासों में बांटा गया।
- यह प्रणाली कृषि और मौसम की जानकारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण थी क्योंकि इससे यह स्पष्ट किया जा सकता था कि किस समय वर्षा, बर्फबारी, और अन्य मौसमीय परिवर्तन होंगे।
- इस विभाजन का उपयोग कृषि-कार्य, उत्सव, और धार्मिक कार्यों के लिए किया जाता था, क्योंकि यह प्रणाली ज्यादा सटीक थी और समय का सही अनुमान लगाने में मदद करती थी। माठरों के द्वारा स्थापित यह कैलेंडर प्रणाली न केवल भारत में बल्कि अन्य संस्कृतियों में भी प्रभावी रही।

35. (B) सम्राट समुद्रगुप्त

व्याख्या:

- सम्राट समुद्रगुप्त का उल्लेख नालंदा के ताम्रपत्र में "परम भागवत" के नाम से मिलता है। यह उपाधि उनके विष्णु भक्ति को दर्शाती है। समुद्रगुप्त के बारे में नालंदा के ताम्रपत्र में यह भी उल्लेख मिलता है कि वह एक महान विष्णु भक्त थे और उन्होंने विष्णु पूजा को बढ़ावा दिया था। "परम भागवत" का अर्थ है "विष्णु का सर्वोच्च भक्त"।
- सम्राट समुद्रगुप्त ने हिंदू धर्म के अनुयायी होने के बावजूद बौद्ध धर्म के प्रति भी सहिष्णुता दिखाई और बौद्ध भिक्षुओं के लिए कई प्रोत्साहन कार्य किए। यह ताम्रपत्र उनके शासन के समय के सामाजिक और धार्मिक दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

36. (B)

व्याख्या:

- शालभंजिका एक प्रकार की मूर्ति है जो एक वृक्ष देवी या यक्षी का प्रतिनिधित्व करती है, जो प्राचीन भारतीय कला में प्रजनन और प्रकृति पूजा से व्यापक रूप से जुड़ी हुई है।
- इसे बौद्ध विचारों से सीधे प्रेरित होने के बजाय हिंदू और लोक परंपराओं का हिस्सा माना जाता है।
- यक्षी जैसे शालभंजिका को अक्सर कामुक मुद्राओं में दर्शाया जाता है, जो उनकी प्रजनन और समृद्धि से जुड़ाव को उजागर करती है।

37. (C) केवल 1,3 और 4

- श्रीमंत शंकरादेव पंद्रहवीं शताब्दी के अंत में असम में वैष्णव धर्म के प्रमुख प्रणेता थे।
- उन्होंने "एकाशरण धर्म" के नाम से वैष्णव धर्म का एक अनूठा रूप स्थापित किया, जो एक सर्वोच्च देवता, विष्णु के प्रति भक्ति पर बल देता है।

- उनकी शिक्षाओं को "भगवती धर्म" कहा जाता है, जो भजनों, नृत्य और नाटक के माध्यम से भक्ति पर केंद्रित है।
- शंकरादेव ने "सत्र" (मठ) और "नाम घर" (प्रार्थना कक्ष) की स्थापना को प्रोत्साहित किया, जो असम में धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र बन गए।
- वे गौड़ीय वैष्णव धर्म के संस्थापक नहीं थे; वह परंपरा बंगाल में चैतन्य महाप्रभु द्वारा स्थापित की गई थी।

38. (B) मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र

व्याख्या:

- नेहरू रिपोर्ट (1928), जिसका नेतृत्व मोतीलालनेहरू ने किया था, भारत के लिए एक संवैधानिक ढांचे का प्रस्ताव देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था। यह ब्रिटिश चुनौती का जवाब था, विशेष रूप से मोंटागू-चेल्सफोर्ड सुधारों (1919) के बाद।
- नेहरू रिपोर्ट में एक केंद्रीय मुद्दा चुनावी प्रणाली था। रिपोर्ट ने विभिन्न समुदायों के लिए, खासकर मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्रों के विचार को अस्वीकार किया। यह प्रणाली, जिसे पहले के सुधारों (जैसे मिंटो-मॉर्ले सुधार, 1909 और मोंटागू-चेल्सफोर्ड सुधार, 1919) में पेश किया गया था, समुदायों को अलग से अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार देती थी। इसके बजाय, नेहरू रिपोर्ट ने संयुक्त निर्वाचन प्रणाली का प्रस्ताव रखा, लेकिन उन क्षेत्रों में मुसलमानों के लिए आरक्षित सीटें दीं, जहां वे अल्पसंख्यक थे, केंद्र और प्रांत दोनों स्तरों पर।
- यह प्रस्ताव राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए था, जिससे समुदायों के बीच साझा राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ावा मिले, जबकि अल्पसंख्यक समूहों के हितों की रक्षा भी की जा सके।

- इस प्रकार, नेहरू रिपोर्ट नेअलग निर्वाचन क्षेत्रोंको अस्वीकार कियाऔरसंविधान के एक समावेशी ढांचेको प्रोत्साहितकिया, जो भारतीय समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करता था।

39. (B) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी

सुरेन्द्रनाथ बनर्जी भारतीय इतिहास के इतिहास में प्रेरणा के एक दीपस्तंभ के रूप में विख्यात हैं। ब्रिटिश राज के दौरान स्वशासन की उनकी वकालत और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके महत्वपूर्ण योगदान को अतिशयोक्तिपूर्ण नहीं कहा जा सकता। सुरेन्द्रनाथ बनर्जी के बारे में प्रमुख तथ्य दिए गए हैं:

- "राष्ट्रगुरु" के उपनाम से प्रसिद्ध थे।
- 1869 में भारतीय सिविल सेवा (ICS)परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले दूसरे भारतीय बने।
- 1876 में भारतीय राष्ट्रीय एसोसिएशन की स्थापना की।
- द बंगाली समाचार पत्र के संपादक थे, जिसमें राष्ट्रवादी विचारों का प्रचार किया।
- 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- 1886 में भारतीय राष्ट्रीय एसोसिएशन को कांग्रेस में विलय किया।
- दो बार कांग्रेस अध्यक्ष बने: 1895 और 1902 में।
- 1905 में बंगाल विभाजन का विरोध किया और विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया।
- स्वदेशी आंदोलन के समर्थक थे, भारतीयों से विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने का आग्रह किया।
- महात्मा गांधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन की आलोचना की, लेकिन गांधी के हिंदू-मुस्लिम एकता प्रयासों की सराहना की।
- मॉटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों का समर्थन किया।
- बाद में बंगाल सरकार में मंत्री बने, जिससे राष्ट्रवादियों से अलग हो गए।
- 6 अगस्त 1925 को उनका निधन हुआ।

40. (A) 19 जुलाई 1905

व्याख्या:

बंगाल विभाजन की घोषणा 19 जुलाई 1905 को की गई थी। ब्रिटिश सरकार ने बंगाल को दो हिस्सों में बांटने का निर्णय लिया, जिसमें पूर्वी बंगाल (जो अब बांग्लादेश का हिस्सा बन गया) को मुस्लिम बहुल क्षेत्र और पश्चिमी बंगाल को हिंदू बहुल क्षेत्र के रूप में विभाजित किया गया। इस विभाजन का उद्देश्य भारतीय समाज में धार्मिक और सांप्रदायिक दरार डालना था ताकि भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को कमजोर किया जा सके।

16 अक्टूबर 1905 को यह विभाजन प्रभावी हुआ और इसे लागू किया गया। इस दिन को "Black Day"के रूप में मनाया गया, क्योंकि भारतीयों ने इसे अपनी एकता पर हमला माना।

41. (C) 1909

व्याख्या:

पंजाब हिन्दू सभा की स्थापना 1909में हुई थी। यह संस्था पंजाबी हिन्दुओं के अधिकारों की रक्षा करने और उनके सामाजिक, सांस्कृतिक, और राजनीतिक मुद्दों को प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई थी। पंजाब हिंदू सभा की स्थापना लाला लाजपत राय, लालचन्द्र और अन्य आर्य समाजी नेताओं के प्रयासों से

पंजाब हिन्दू सभा का उद्देश्य था:

1. हिन्दू समाज की एकता और जागरूकता को बढ़ावा देना।
2. हिन्दू धर्म की रक्षा करना और भारतीय समाज में सुधार लाना।
3. पंजाब में हिन्दू समुदाय के अधिकारों की रक्षा करना और उनकी भलाई के लिए कार्य करना।

यह सभा भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में भी सक्रिय रही और भारतीय समाज में सुधारों को लेकर आवाज उठाती रही।

महत्वपूर्ण सूचना

प्रिय साथियों,

Result Mitra आपके सिलेक्शन तक आपके साथ बना रहा हैं और आगे भी बना रहेगा। इसी commitment के साथ, हमने निर्णय लिया है कि 20 सितंबर से 71वीं BPSC MAINS की टेस्ट सीरीज शुरू की जाएगी। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप BPSC PRELIMS परीक्षा को अवश्य उत्तीर्ण करेंगे। इसलिए यह समय अब रुकने का नहीं, बल्कि MAINS की तैयारी को सही दिशा और सही approach के साथ निरंतर मेहनत जारी रखने का है।

विदित है कि पिछली 70वीं BPSC MAINS टेस्ट सीरीज में हमारे लगभग 40% प्रश्न परीक्षा में आए थे। इस बार (71वीं BPSC MAINS) हम नया इतिहास रचने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अतः साथियों, इस अवसर को हाथ से जाने न दें। आइए, Result Mitra MAINS टेस्ट सीरीज प्रोग्राम के साथ जुड़े और बेहतर भविष्य के लिए बेहतर परिणाम को सुनिश्चित करें।

धन्यवाद

9235313184, 9667693596

42. (C) असहयोग आंदोलन

व्याख्या:

असहयोग आंदोलन (1920) के दौरान **हिन्दी** को पूरे देश की भाषा के रूप में अपनाया गया था। यह आंदोलन महात्मा गांधी के नेतृत्व में ब्रिटिश शासन के खिलाफ शुरू किया गया था। गांधी जी ने भारतीयों से ब्रिटिश शासन से सहयोग न करने की अपील की थी, और इस आंदोलन के दौरान **हिन्दी** को एकजुटता और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में बढ़ावा दिया गया।

असहयोग आंदोलन के दौरान हिन्दी को **शिक्षा, साहित्य और सरकारी कामकाज** में बढ़ावा देने की कोशिश की गई, और यह भारतीयों के बीच एक साझा संवाद का जरिया बना।

43. (B) दिसम्बर 1946

व्याख्या:

डॉ **राजेन्द्र प्रसाद** को **दिसम्बर 1946** में संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया था। संविधान सभा की पहली बैठक **9 दिसम्बर 1946** को हुई थी, और डॉ राजेन्द्र प्रसाद को सर्वसम्मति से अध्यक्ष के रूप में चुना गया। वे संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में भारतीय संविधान को तैयार करने की प्रक्रिया की अध्यक्षता की।

उनके नेतृत्व में, संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंतिम रूप दिया, जो **26 जनवरी 1950** को लागू हुआ। डॉ राजेन्द्र प्रसाद भारतीय गणराज्य के पहले राष्ट्रपति बने और उन्होंने भारतीय लोकतंत्र और संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

44. (B) वडोदरा

व्याख्या:

वाघेरा विद्रोह **1928** में वडोदरा (बड़ौदा) जिले के **वाघेरा गांव** में हुआ था। यह एक **किसान विद्रोह** था, जो किसानों द्वारा कम दामों और उनके अधिकारों की अनदेखी के खिलाफ किया गया था। किसानों को उनके उत्पादों के लिए सही मूल्य नहीं मिल रहा था, और उन पर उच्च कर भी लगाया जा रहा था, जिससे उनका जीवन मुश्किल हो गया था।

इस विद्रोह में किसानों ने अपनी ज़मीन और उपज के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया और विरोध प्रदर्शन किया। इसे एक महत्वपूर्ण किसान आंदोलन के रूप में जाना जाता है।

इसलिए, **वाघेरा विद्रोह** वडोदरा (बड़ौदा) जिले के वाघेरा गांव में हुआ था।

45. (C) घनश्याम दास बिड़ला

1932 में **पूना पैक्ट** के बाद **हरिजन सेवक संघ** की स्थापना की गई थी। इस संघ की स्थापना **महात्मा गांधी** के निर्देश पर हुई थी, ताकि **हरिजनों** (अर्थात् नीच जातियों और अनुसूचित जातियों) के कल्याण और सामाजिक उन्नति के लिए कार्य किया जा सके। हालांकि, महात्मा गांधी के महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद, **हरिजन सेवक संघ** का अध्यक्ष **घनश्याम दास बिड़ला** को नियुक्त किया गया था।

घनश्याम दास बिड़ला एक प्रसिद्ध उद्योगपति और समाजसेवी थे, जिन्होंने भारतीय समाज के निम्न वर्गों की मदद करने के लिए इस संघ की अध्यक्षता की।

अन्य विकल्पों की व्याख्या:

1. महात्मा गांधी (A):

- महात्मा गांधी ने हरिजनों के अधिकारों के लिए बहुत संघर्ष किया, लेकिन वह हरिजन सेवक संघ के अध्यक्ष नहीं थे। उन्होंने हरिजनों के लिए 'हरिजन' शब्द का प्रयोग किया था और उनकी स्थिति सुधारने के लिए बहुत कार्य किया था।

2. अमृतलाल ठक्कर (B):

- 1922 में भील सेवा मंडल की स्थापना की। बाद में वे 1932 में महात्मा गांधी द्वारा स्थापित हरिजन सेवक संघ के महासचिव बने। [2] उनकी पहल पर 24 अक्टूबर 1948 को भारतीय आदिमजाति सेवक संघ की स्थापना की गई थी, महात्मा गांधी उन्हें 'बापा' कहकर पुकारते थे। 1939 में अपनी एक अपील में महात्मा गांधी ने उन्हें "हरिजनों का पिता" कहा था।

3. लाला लाजपत राय (D):

- इन्हें पंजाब केसरी भी कहा जाता है। इन्होंने पंजाब नेशनल बैंक और लक्ष्मी बीमा कम्पनी की स्थापना भी की थी, सन् 1928 में इन्होंने साइमन कमीशन के विरुद्ध एक प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जिसके दौरान हुए लाठी-चार्ज में ये बुरी तरह से घायल हो गये और अन्ततः 17 नवम्बर सन् 1928 को इनकी महान आत्मा ने पार्थिव देह त्याग दी।
- इन्होंने स्वामी दयानन्द सरस्वती के साथ मिलकर आर्य समाज को पंजाब में लोकप्रिय बनाया। लाला हंसराज एवं कल्याण चन्द्र दीक्षित के साथ दयानन्द एंग्लो वैदिक विद्यालयों का प्रसार किया, लोग जिन्हें आजकल डीएवी स्कूल्स व कालेज के नाम से जानते हैं।

- लॉर्ड विलियम बेंटिंक को 1828 से 1833 तक बंगाल का गवर्नर-जनरल नियुक्त किया गया था। 1833 में, चार्टर अधिनियम के बाद, उनका पद बढ़ाकर भारत के पहले गवर्नर-जनरल का नाम दिया गया। यह एक महत्वपूर्ण परिवर्तन था क्योंकि इससे ब्रिटिश प्रशासन को एक केंद्रीकृत प्राधिकरण के तहत भारत भर में एकजुट किया गया, जो शासन में सुधार लाने के उद्देश्य से किया गया था। इसलिए, कथन 1 सही है।
- बेंटिंक के शासन में ठगगी—जो हत्या और लूटपाट में संलिप्त एक संगठित समूह था—का व्यवस्थित रूप से दमन किया गया। बेंटिंक ने 1835 में ठगगी और डाकू विभाग की स्थापना की, जिसका नेतृत्व कैप्टन विलियम हेनरी स्लिमैनने किया। इसलिए, कथन 2 सही है।

46. (C) ईस्ट इंडिया कंपनी को दीवानी अधिकार (राजस्व संग्रह) प्राप्त हुए, जबकि नवाब ने निज़ामत अधिकार (न्याय एवं कानून-व्यवस्था प्रशासन) बनाए रखे।

व्याख्या:

- 1765 में मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीयसे दीवानी अधिकार प्राप्त करने के बाद रॉबर्ट क्लाइव ने द्वैध शासन प्रणाली लागू की। इस व्यवस्था के अंतर्गत:
 - कंपनी → दीवानी (राजस्व संग्रह)
 - नवाब → निज़ामत (कानून, न्याय, पुलिस व्यवस्था)
- प्रभाव: कंपनी के पास अधिकार था लेकिन उत्तरदायित्व नहीं, जबकि नवाब के पास उत्तरदायित्व था लेकिन अधिकार नहीं।
- इसे 1772 में वॉरेन हेस्टिंग्स द्वारा समाप्त कर दिया गया।

47. (D) 1, 2 और 3

व्याख्या:

- स्लिमैन के प्रयासों से हजारों ठगों को पकड़ने में सफलता मिली और जबलपुर में उन्हें कारागार में डाला गया। इस कदम ने उस अपराधी नेटवर्क को बहुत कमजोर किया था, जो वर्षों से देश को आतंकित कर रहा था।
- 1835 में, बेंटिंक ने भारत में अंग्रेजीको शिक्षा का माध्यम मान्यता दी, जो मैकॉले की मिनट से प्रभावित था। इस नीति परिवर्तनने भारत भर में अंग्रेजी-माध्यम विद्यालयों की स्थापना को बढ़ावा दिया, जिसका उद्देश्य एक ऐसी भारतीय वर्ग का निर्माण करना था जो ब्रिटिश शासन में मदद कर सके। इसलिए, कथन 3 भी सही है।

48. (A) 1, 2, और 3

व्याख्या:

- भारतीय सिक्का और कागजी मुद्रा अधिनियम 1899 लॉर्ड कर्जन के कार्यकाल के दौरान पास किया गया था। यह कानून भारत की मुद्रा प्रणाली को नियंत्रित करने, सिक्कों को

मानकीकरण करने औरकागजीमुद्राकी शुरुआत करने में महत्वपूर्ण था।इसलिए, कथन 1 सही है।

- बिहार में पहलाकृषि विश्वविद्यालयसमस्तीपुरमेंअप्रैल 1905में स्थापित किया गयाथा, यह कर्जन केशैक्षिक सुधारोंके तहतकृषि प्रथाओंऔरअनुसंधानको बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था।इसलिए, कथन 2 सही है।
- इंपीरियल कैडेट कोर की स्थापना1901में की गई थी, इसका उद्देश्यभारतीय कुलीनोंकोसैन्य नेतृत्वऔरसेवाके लिए प्रशिक्षित करना था, जोब्रिटिश शासनकोसैन्य मामलोंमें अपनी पकड़ मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया था।इसलिए, कथन 3 सही है।

इसके अलावा, 1902 में पुलिस आयोगकी स्थापना भी कर्जन के कार्यकाल में की गई थी, जिसका नेतृत्वसर एंड्रयू फ्रेजरने किया था, ताकि भारतीयपुलिस व्यवस्थामें सुधार किया जा सके।

49. (B) 2 और 3

व्याख्या:

- लॉर्डडफरिन, वह वाइसरॉय जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई थी, नेकांग्रेस को"सूक्ष्म अल्पसंख्यक"कहकर नकारा था, जो उस समय इसके सीमित समर्थन को दर्शाता था।इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
- अरबिंदो घोष (श्री अरविंदो) ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए इसे"भीख माँगने वाली संस्था"कहा, जो ब्रिटिश सरकार से सुधारों के लिए अपील करती थी, जबकि उन्हें अधिक आक्रामक रणनीतिअपनाने की आवश्यकता थी।इसलिए, कथन 2 सही है।
- बी.जी.तिलकने प्रसिद्ध रूप से कहा, "अगरहम साल में एक बार मेंढक की तरह टरटरार्येंगे, तो हमें कुछ नहीं मिलेगा,"यह कहकरउन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से अधिकनियमितऔर मुखरमांग करने की

आवश्यकता को बताया, बजाय हर साल एक याचिका पेश करने के।इसलिए, कथन 3 सही है।

- अश्विनीकुमार दत्तने कहा, "यह तीन दिन का तमाशा है।"

50. (A) उत्कृष्ट निष्क्रियता नीति

व्याख्या:

- लॉर्ड लिटन, जो 1876-1880 तक भारत के गवर्नरथे, ने फॉरवर्ड पॉलिसी लागू की, जिसका उद्देश्य अफगानिस्तान में सक्रिय रूप से हस्तक्षेपकरना था, ताकि रूसी खतरे का मुकाबला किया जा सके।
- इस नीति में सबसे पहले उत्कृष्ट निष्क्रियता नीतिनीति को बदला गया था, जिसमें विदेशी मामलों में हस्तक्षेप से बचना और क्षेत्रीय भू-राजनीतिकघटनाओं के प्रति एक वैचारिक दृष्टिकोण को प्रमुख बिंदुओं पर बनाए रखना था।

51. (C) सर लायोनल कर्टिस

व्याख्या:

- सरलियोनल कर्टिसको द्वैध शासन के जनक के रूप में श्रेयदिया जाता है।
- यह विचारगवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1919के तहत व्यावहारिक रूप से लागू किया गया, जिसमें प्रांतीय स्तर पर द्वैध शासन को पेश किया गया, जिसमें विषयों को दो श्रेणियोंमें बांटा गया:
 - आरक्षितविषय, जिन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा नियंत्रित किया गया, जैसे कि पुलिस, भूमि राजस्व, और न्याय।
 - स्थानांतरितविषय, जिन्हें भारतीय मंत्रियों द्वारा प्रबंधित किया गया, जैसे कि शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, और कृषि।
- गवर्नमेंटऑफ इंडिया एक्ट, 1935ने अंततः प्रांतीय स्तर पर ड्याआर्ची कोसमाप्त कर दिया, लेकिन केंद्रीय स्तर पर ड्याआर्ची की स्थापना का प्रस्ताव दिया। इसपरिवर्तन ने ब्रिटिश-

भारतीय शासन की संरचना में एक विकास को चिह्नित किया।

- द्वैध शासन भारतीयों की शासन में भागीदारी की दिशा में एक कदम था, हालांकि इसमें प्रमुख क्षेत्रों पर ब्रिटिश नियंत्रण बना रहा।

52.(B) कथन (A) और कारण(R) दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण(R) कथन (A) की व्याख्या नहीं करता।

व्याख्या:

कथन (A) सही है:

- लॉर्ड कैनिंग, जो 1858 से 1862 तक भारत के पहले वाइसरॉय के रूप में कार्यरत थे, उनके कार्यकाल के दौरान भारत में तीन प्रमुख विश्वविद्यालयों—कलकत्ता, मद्रास और बंबई—की स्थापना की गई।
- इन विश्वविद्यालयों ने भारत में पश्चिमी शैली की शिक्षा के परिचय में महत्वपूर्ण कदम रखा, जो मुख्य रूप से एक ऐसी भारतीय जाति तैयार करने के लिए थी, जो ब्रिटिश शासन में मदद कर सके।
- ये संस्थान भारतीयों के बीच एक शिक्षित वर्ग के विकास में सहायक बने, और इनमें से कई लोग बाद में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय हुए।

कारण (R) भी सही है:

- 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद, ब्रिटिश सरकार ने ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन को समाप्त करने का निर्णय लिया और भारत पर प्रत्यक्ष नियंत्रण स्थापित किया।
- यह गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1858 के माध्यम से औपचारिक रूप से किया गया, जिसमें शासन को ब्रिटिश क्राउन को सौंप दिया गया।
- लॉर्ड कैनिंग ईस्ट इंडिया कंपनी के अंतिम गवर्नर-जनरल के रूप में कार्यरत थे और बाद में भारत के पहले वाइसरॉय बने।
- यह ब्रिटिश राज की शुरुआत थी—जो भारत में ब्रिटिश शासन का एक नया दौर था,

जिसने राजनीतिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया।

कारण(R) कथन (A) की व्याख्या क्यों नहीं करता: जबकि Reason (R) सही ढंग से ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन से ब्रिटिश क्राउन के शासन में परिवर्तन को समझाता है, यह सीधे तौर पर 1857 में विश्वविद्यालयों की स्थापना की व्याख्या नहीं करता। विश्वविद्यालयों की स्थापना एक अलग शैक्षिक सुधार का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य भारतीयों को पश्चिमी शिक्षा प्रणाली में प्रशिक्षित करना था, ताकि उपनिवेशी प्रशासन में एक शिक्षित कार्यबल तैयार किया जा सके। जबकि यह कैनिंग के शासनकाल के दौरान हुआ, यह ईस्ट इंडिया कंपनी के विघटन के राजनीतिक परिवर्तनों से सीधे तौर पर जुड़ा नहीं था।

53. (C) ब्रिटिश और फ्रांसीसी

व्याख्या:

- वंडीवाश की लड़ाई, जो 22 जनवरी 1760 को लड़ी गई, सप्तवर्षीय युद्ध (1756-1763) के दौरान अंग्रेजों और फ्रांसीसियों के बीच एक महत्वपूर्ण लड़ाई थी।
- सरआयरकूट के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने काउन्ट डी लाली की कमान वाली फ्रांसीसी सेना का सामना किया।
- ब्रिटिश सेना ने विजय प्राप्त की, जिससे भारत में यूरोपीय शक्ति के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई और यह दक्षिण भारत में वर्चस्व के लिए संघर्ष में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

54. (B) शाहजहाँ

व्याख्या:

पुर्तगालियों का बिहार (पटना) में आगमन

- 17वीं शताब्दी में, पुर्तगाली हुगली नदी के माध्यम से बिहार (पटना) पहुंचे।
- वे मुख्य रूप से कॉटन कपड़े व्यापार में संलग्न होने और आर्थिक प्रभाव स्थापित करने के लिए आए थे।

- हुगली उद्योग और कृषि के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र था, जिससे यह 16वीं शताब्दी में पश्चिम बंगाल का आर्थिक रूप से बढ़ता हुआ जिला बन गया।
- पुर्तगाली बंगाल की खाड़ी से हुगली तक पहुंचे थे ताकि वेकस्टम्स ड्यूटी से बच सकें।

पुर्तगालियों की समुद्री डकैती और दास व्यापार में संलिप्तता

- उनकी बढ़ती समुद्री डाकड़नी और दास व्यापार में संलिप्तता के कारण मुगल साम्राज्य और पुर्तगालियों के बीच तनाव बढ़ गया।
- 1632 में, शाहजहाँ की सेनाओं ने हुगली बंदरगाह को नष्ट कर दिया।
- मुगल इतिहासकारों जैसे किलाहोरी के पदशाहनामा और इनायत खान के शाहजहानामा ने इस घटना का दस्तावेजीकरण किया है।

55. (C) 1 और 2 दोनों

व्याख्या:

- जमींदारी बंदोबस्त, जो 1793 में लॉर्ड कॉर्नवालिस द्वारा पेश किया गया था, बंगाल, बिहार, उड़ीसा और वाराणसी प्रांतों में लागू किया गया था, जो लगभग 19% ब्रिटिश भारत का हिस्सा था। इसका उद्देश्य ईस्ट इंडिया कंपनी के लिए राजस्व संग्रह की एक अधिक स्थिर और पूर्वानुमान योग्य प्रणाली बनाना था। इसलिए, कथन 1 सही है।

इस समझौते के तहत, राजस्व स्थायी रूप से तय किया गया था और यह कृषि उत्पादन में होने वाली उतार-चढ़ाव के बावजूद बदलने के लिए नहीं था। जमींदारों को ज़मीन के मालिक के रूप में मान्यता प्राप्त थी और उन्हें स्थायी तय राजस्व का संग्रहण और भुगतान करने की जिम्मेदारी दी गई थी। राजस्व का हिस्सा इस प्रकार बांटा गया था कि जमींदारों को एकत्रित राजस्व का 1/11

हिस्सा मिलता था, जबकि ईस्ट इंडिया कंपनी को 10/11 हिस्सा मिलता था। इस प्रणाली के कारण जमींदारों के

पास ज़मीन के मालिक होने का महत्वपूर्ण अधिकार था, हालांकि उन्हें स्थायी राजस्व का भुगतान करना था। इस नीति को कभी-कभी "सूर्यास्त कानून" कहा जाता है, क्योंकि जमीनदारों को राजस्व एक पूर्वनिर्धारित तिथि तक जमा करना होता था। इसलिए, कथन 2 भी सही है।

56. (A) A-3, B-1, C-2, D-4

व्याख्या:

1857 के विद्रोह के दौरान व्यक्तित्वों को उनके द्वारा विद्रोह किए गए स्थानों के साथ:

1. कुँवर सिंह ने जगदीशपुर, बक्सर में विद्रोह का नेतृत्व किया।
2. नाना साहेब कानपुर में एक प्रमुख नेता थे।
3. मौलवी अहमदुल्लाह ने फैजाबाद में विद्रोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
4. खान बहादुर खान ने बरेली में विद्रोह का नेतृत्व किया।
5. बेगम हज़रत महल लखनऊ में विद्रोह की महत्वपूर्ण नेतृत्वी।
6. बहादुर शाह ज़फर, अंतिम मुगल सम्राट, दिल्ली से विद्रोह का समर्थन कर रहे थे।
7. रानी लक्ष्मीबाई ने झांसी में प्रतिरोध का नेतृत्व किया।
8. लियाकत अली इलाहाबाद में विद्रोह में सक्रिय थे।
9. दीवान मनी राम दत्त ने असम में विद्रोह का नेतृत्व किया।

57. (B) हाजी इब्राहिम सरहिंदी

व्याख्या:

मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल में संस्कृत ग्रंथों के फारसी में अनुवाद की एक महत्वपूर्ण पहल की गई थी। इस संदर्भ में, हाजी इब्राहिम सरहिंदी ने अथर्ववेद का फारसी में अनुवाद किया था।

ग्रंथ	अनुवादक और विवरण
रामायण	बदायूनी
महाभारत	नकीब खाँ, अब्दुल कादिर बदायूनी, शेख सुल्तान ने महाभारत का फारसी में अनुवाद 'रज्मनामा' नाम से

	किया गया।
पंचतंत्र	अबुल फजल ने 'अनवर-ए-सादात' और मौलाना हुसैन फैज ने 'यार-ए-दानिश' के नाम से फारसी में अनुवाद किया।
राजतरंगिणी	मुल्लाशाह मोहम्मद
तुजुक-ए-बाबरी	अब्दुरहीम खानखाना
नल दमयन्ती	फैजी ने सूरदास द्वारा रचित नल दमयन्ती कथा का फारसी में अनुवाद किया और उसका नाम 'सहेली' रखा।
भागवत पुराण	टोडरमल

58. (D) फिरोज शाह तुगलक

व्याख्या:

गया में बने सूर्य मंदिर के शिलालेख में दो बार फिरोज शाह तुगलक का नाम अंकित है। फिरोज शाह तुगलक ने 1351 से 1388 तक दिल्ली सल्तनत पर शासन किया था। उनके शासनकाल में कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्य किए गए, जिनमें गया का सूर्य मंदिर भी शामिल था। इस शिलालेख में उनके द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि फिरोज शाह तुगलक ने इस मंदिर का निर्माण कराया था।

59. (D) मुरीद

व्याख्या:

सूफीवाद में मुरीद वह व्यक्ति होता है जो आध्यात्मिक मार्गदर्शन के लिए अपने गुरु (पीर या मुर्शिद) के प्रति समर्पित होता है। यह शब्द सूफी परंपरा में शिष्य के लिए प्रयोग किया जाता है, जो अपने गुरु से ज्ञान और आशीर्वाद प्राप्त करता है।

अन्य विकल्प:

- जज़िया: यह एक इस्लामी कर है जो गैर-मुस्लिमों से लिया जाता था।
- इज़मा : एक इस्लामी शब्द है, जिसका अर्थ है किसी विषय पर उलेमाओं (धार्मिक विद्वानों) का एकजुट मत।
- मुकद्दम: यह ग्रामीण क्षेत्रों में एक प्रमुख या मुखिया को कहा जाता है।

60. (A) दारा शिकोह

व्याख्या:

शाहजहाँ ने अपने बड़े पुत्र दारा शिकोह को 'शाह इकबाल' की उपाधि दी थी। यह उपाधि दारा शिकोह की धार्मिक और बौद्धिक विशेषताओं को सम्मानित करने के लिए दी गई थी। दारा शिकोह एक महान धार्मिक और बौद्धिक व्यक्ति थे, जिन्होंने हिन्दू और मुस्लिम धर्मों के बीच सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास किया। उन्होंने संस्कृत के उपनिषदों का फारसी में अनुवाद किया और 'सिर-ए-अकबर' नामक ग्रंथ की रचना की, जिसमें हिन्दू और इस्लामी धार्मिक विचारों के बीच समानताएँ दिखाई गईं। दारा शिकोह की धार्मिक उदारता और बौद्धिक दृष्टिकोण के कारण शाहजहाँ ने उन्हें यह उपाधि प्रदान की।

61.(A) तुकाराम

व्याख्या:

छत्रपति शिवाजी महाराज (1630-1680) के समकालीन संत तुकाराम महाराज थे। तुकाराम 17वीं शताब्दी के मराठी भक्त कवि और संत थे, जो महाराष्ट्र में भक्ति आंदोलन के प्रमुख हस्ताक्षर थे। उनकी रचनाएँ, विशेषकर अभंग और कीर्तन, महाराष्ट्र में अत्यंत लोकप्रिय हैं। तुकाराम का जन्म 1608 में हुआ था, और उनका निधन 1650 में हुआ था, जो शिवाजी महाराज के जीवनकाल के भीतर था।

इतिहासकारों के अनुसार, तुकाराम और शिवाजी महाराज का संपर्क हुआ था, और शिवाजी ने उन्हें सम्मानित करने के लिए उपहार भेजे थे, जिन्हें तुकाराम ने विनम्रता से अस्वीकार कर दिया था। तुकाराम की शिक्षाएँ और भक्ति शिवाजी के शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

62. (C) इल्तुतमिश

व्याख्या:

इल्तुतमिश (1211-1236 ई.) दिल्ली सुलतानत के तीसरे शासक थे, जिन्होंने तांबे के सिक्के 'जीतल' जारी किए थे। ये सिक्के उनके शासनकाल के दौरान मुद्रा प्रणाली का हिस्सा बने, जिसमें 'टंका' (चांदी के सिक्के) और 'जीतल' (तांबे के सिक्के) शामिल थे।

'जीतल' छोटे तांबे के सिक्के थे, जो दिल्ली सुलतानत के आर्थिक तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बने।

अन्य विकल्प:

- मोहम्मद बिन तुगलक (1325-1351 ई.): उन्होंने 'टोकन मुद्रा' जारी की थी, जो तांबे और पीतल से बनी थी, लेकिन उन्होंने 'जीतल' सिक्के जारी नहीं किए थे। उनकी टोकन मुद्रा प्रणाली विफल रही थी।
- फिरोज शाह तुगलक (1351-1388 ई.): उन्होंने 'शशगानी' (6 जीतल के बराबर) और 'हस्तगानी' (48 जीतल के बराबर) जैसे सिक्के जारी किए, लेकिन उन्होंने 'जीतल' सिक्के सीधे तौर पर जारी नहीं किए।
- कुली कुतुब शाह (1580-1612 ई.): वह कुतुब शाही वंश के शासक थे।

63. D (उपरोक्त सभी)

व्याख्या:

वर्ष 2022 में ULLAS (Understanding Lifelong Learning for All in Society) पहल की शुरुआत हुई, जिसका उद्देश्य जीवनभर साक्षरता को बढ़ावा देना और समाज में इसके महत्व को समझाना था। इसके तहत भारत सरकार ने "नव भारत साक्षरता कार्यक्रम" (NILP) शुरू किया।

मिजोरम आधुनिक भारत का पहला राज्य है, जिसने 20 मई 2025 को पूर्ण कार्यात्मक साक्षरता दर्जा प्राप्त किया। इस उपलब्धि के साथ मिजोरम ने साक्षरता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया।

लद्दाख ने 24 जून 2024 को भारत की पहली पूर्ण साक्षर प्रशासनिक इकाई (UT) बनने का गौरव प्राप्त किया। यह केंद्रशासित प्रदेश ने इस मुकाम तक पहुँचने से पहले कोई अन्य प्रशासनिक इकाई यह दर्जा हासिल नहीं कर पाई थी।

इसके बाद, गोवा को 30 मई 2025 को दूसरा पूर्ण कार्यात्मक साक्षर राज्य घोषित किया गया। इसके बाद, त्रिपुरा ने जून 2025 में तीसरा पूर्ण कार्यात्मक साक्षर राज्य बनने का गौरव प्राप्त किया।

64. B (यह कला रंग का होता है।)

व्याख्या:

ब्लैकबॉक्स, जिसे फ्लाइट रिकॉर्डर भी कहा जाता है, एक इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्डिंग उपकरण होता है, जिसे विमानों में लगाया जाता है ताकि विमान दुर्घटनाओं और घटनाओं की जांच में मदद मिल सके।

यह डेटा दो प्रकार की होती है:

1. फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (FDR)
2. कॉकपिट वॉइस रिकॉर्डर (CVR)

ब्लैकबॉक्स आमतौर पर नारंगी रंग का होता है, न कि काला (काले) रंग का, ताकि दुर्घटना के बाद इसे आसानी से खोजा जा सके। इसके कारण, कथन "यह कला रंग का होता है" असत्य है।

यह डेटा 1000°C से अधिक तापमान को झेल सकता है और 3400 G तक की टक्कर सह सकता है, जिससे यह अत्यधिक परिस्थितियों में भी सुरक्षित रहता है।

65. D (300)

व्याख्या:

31 मई, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन में भाग लिया। यह आयोजन मालवा की प्रसिद्ध महारानी देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।

सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने देवी अहिल्याबाई को समर्पित एक स्मारक डाक टिकट और 300 रुपये मूल्य का विशेष स्मारक सिक्का जारी किया। इस सिक्के पर देवी अहिल्याबाई होल्कर का चित्र उत्कीर्ण है।

300 रुपये मूल्य वर्ग का सिक्का भारत के सिक्का इतिहास में पहली बार जारी हुआ, और इसे कोलकाता टकसालने ढाला।

66. D (केवल 1, 2 और 4)

व्याख्या:

22 अप्रैल, 2025 को दक्षिण कश्मीर स्थित अनंतनाग जिले के पहलगाम से लगभग 7 किलोमीटर दूर बैसरन घाटी में आतंकवादियों के एक समूह ने पर्यटकों पर हमला किया। हमले की जिम्मेदारी एक नए आतंकवादी संगठन 'द रजिस्टर्ड फ्रंट' (TRF) ने ली, जिसे पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा माना जाता है।

सुरक्षामामलों की कैबिनेट समिति (CCS) ने 23 अप्रैल, 2025 को सिंधु जल संधि को स्थगित करने का निर्णय लिया था, जो भारत और पाकिस्तान के बीच 1960 में हस्ताक्षरित एक महत्वपूर्ण जल संधि है। इसके तहत सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों का विभाजन किया गया था। पाकिस्तान को सिंधु, झेलम, और चिनाब नदियाँ आवंटित की गईं, जबकि सतलुज, रावी, और ब्यास नदियाँ भारत को आवंटित की गई थीं।

इसके साथ ही सार्क वीजा छूट योजना (SVES) के तहत पाकिस्तान नागरिकों की भारत यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, जो कि सुरक्षा दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण कदम था।

कथन 3 गलत है क्योंकि सिंधु जल संधि के तहत सिंधु बेसिन की सभी छह नदियाँ पाकिस्तान को आवंटित नहीं की गई हैं। वास्तविकता में, इन छह नदियों में से तीन नदियाँ पाकिस्तान को और तीन नदियाँ भारत को आवंटित की गई हैं।

67. C (सस्टेनेबिलिटी एवं इक्विटी लॉजिस्टिक्स)

व्याख्या:

वर्ष 2024 की LEADS रिपोर्ट में भारत के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में लॉजिस्टिक्स प्रणालियों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। इस रिपोर्ट में 17 धारणा-आधारित संकेतकों को चार प्रमुख स्तंभों (Pillars) के तहत वर्गीकृत किया गया है।

इस रिपोर्ट में सस्टेनेबिलिटी और इक्विटी लॉजिस्टिक्स को चौथे स्तंभ के रूप में पहली बार शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स प्रणालियों की स्थिरता और समानता को बढ़ावा देना है।

68. B (केवल 2)

व्याख्या:

- कुल वन और वृक्ष आवरण का क्षेत्रफल 8,27,357 वर्ग किलोमीटर है, जो भारत के भौगोलिक क्षेत्र का 25.17% है।
- वनावरण का क्षेत्रफल 7,15,343 वर्ग किलोमीटर (जो कि 21.76% है) है।
- वृक्ष आवरण का क्षेत्रफल 1,12,014 वर्ग किलोमीटर (जो कि 3.41% है) है।
- वर्ष 2021 की तुलना में देश के कुल वन और वृक्ष आवरण में 1445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है। इसमें वनावरण में 156 वर्ग किलोमीटर और वृक्ष आवरण में 1289 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि शामिल है।

69. A (मसाली)

व्याख्या:

9-11 अक्टूबर, 2022 के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान, मोदी को भारत का पहला 24x7 सौर ऊर्जा से संचालित (Solar Powered) गांव घोषित किया गया।

दिसंबर, 2024 में मसाली को 'भारत का पहला सीमावर्ती सौर गांव' (India's First Border Solar Village) घोषित किया गया। यह

गांव गुजरात के बनावसा कांठा जिले के सुईगाम तालुकामें स्थित है।

मसाली को PM-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत भारत का पहला सीमावर्ती सौर गांव घोषित किया गया है। मसाली, मोदीरा के बाद गुजरात का दूसरा सौर गांव है।

70. B (संस्कृत और मैथिली)

व्याख्या:

26 नवंबर, 2024 को भारत के संविधान के अंगीकरण (adoption) की 75वीं वर्षगांठ मनाई गई। यह समारोह 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' अभियान के तहत आयोजित किया गया था।

भारतकी राष्ट्रपतिद्रौपदी मुर्मूके नेतृत्वमें 26 नवंबर, 2024 कोसंविधान सदन (पुरानासंसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में वर्षभर चलने वाले समारोह का भव्य उद्घाटन किया गया।

इसअवसर पर भारतीय संविधान काविमोचन संस्कृतऔर मैथिलीभाषा में किया गया।

26 नवंबर, 2024 को10वां संविधान दिवसमनायागया, और इस वर्ष संविधान दिवस का मुख्य विषय था"हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान"।

71. B (50%)

व्याख्या:

राष्ट्रीयशिक्षा नीति (NEP) 2020 के तहत'सकल नामांकनअनुपात' (Gross Enrolment Ratio)कोवर्ष 2019-20 में लगभग 27 प्रतिशतसे बढ़ाकरवर्ष 2035 तक 50 प्रतिशततक करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसउद्देश्य को प्राप्त करने के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग विभिन्न वित्तीय सहायता योजनाएंसंचालित करता है, जिनमेंप्रधानमंत्री: उच्चतरशिक्षा प्रोत्साहन (PM-USP)योजना जैसी छत्र योजना भी शामिल है।

72. A (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी)

व्याख्या:

11 सितंबर, 2024को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीकी अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने'मिशन मौसम'को स्वीकृति प्रदान की। इस मिशनके लिएदो वर्षोंके लिए2000 करोड़ रुपयेका परिव्यय निर्धारित कियागया है। मिशन का मुख्य उद्देश्यहर मौसम केलिए अधिक तैयार और जलवायु-स्मार्ट भारतका निर्माण करना है।

मिशन मौसमकोकेंद्रीयपृथ्वी विज्ञान मंत्रालयद्वारा मुख्य रूप से कार्यान्वित किया जाएगा, और इसकेलिए तीन प्रमुख संस्थान निम्नलिखित हैं:

- भारत मौसम विज्ञान विभाग (India Meteorological Department)
- भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (Indian Institute of Tropical Meteorology), पुणे

- राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (NCMRWF), नोएडा

यहमिशन भारत के मौसम और जलवायु विज्ञान, अनुसंधान और सेवाओं को अभूतपूर्व बढ़ावा देनेके लिए एकबहुआयामी और परिवर्तनकारी पहलके रूप में परिकल्पित किया गया है।

73. C (अंतिम 12 महीनों के औसत मूल वेतन पर आधारित)

व्याख्या:

UPS (यूनिवर्सल पेंशन स्कीम) के तहत, पेंशनअंतिम 12 महीनों के औसत मूल वेतनके 50% के बराबर दी जाएगी। लेकिन इसके लिए कर्मचारीकोकम से कम 25 वर्षोंकी सेवा करनी आवश्यकहोगी। यदि सेवा कम होगी तो पेंशन अनुपातिक रूप से दी जाएगी। UPS योजनाके तहतकर्मचारी का योगदानवेतन (मूल वेतन + महंगाई भत्ता) का 10 प्रतिशतहोगा, जबकिकेंद्र सरकार का योगदान 18.5 प्रतिशतहोगा।

74. (D) 1, 2, 3 और 4

व्याख्या:

- कथन 1 (सही):वैश्विकशांति सूचकांक (GPI), 2025कोइंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एण्ड पीस (IEP)द्वारा18 जून, 2025को जारीकिया गया। यह सूचकांक का19वां संस्करणथा।
- कथन 2 (सही):GPI, 2025के अनुसार, आइसलैंडने1.095स्कोर के साथविश्व के सर्वाधिक शांतिपूर्णदेशका स्थान प्राप्त किया।
- कथन 3 (सही):भारतने इस सूचकांक में2.229स्कोर के साथ115वां स्थानप्राप्त किया।
- कथन 4 (सही):मध्यपूर्व और उत्तरी अफ्रीका (MENA)क्षेत्र कोGPI, 2025मेंविश्व का सबसे कम शांतिपूर्ण क्षेत्रघोषितकिया गया, जबकिपश्चिमी और मध्य यूरोपसर्वाधिक शांतिपूर्ण क्षेत्ररहा।

75. (B) कमला हैरिस

व्याख्या:

5 नवंबर 2024 को हुए अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और उनके उपराष्ट्रपति उम्मीदवार जे.डी. बैसनेडेमोक्रैटिक पार्टी की उपराष्ट्रपतिकमला हैरिस और उनके सहयोगी टिम वॉल्ज को पराजित किया। इस जीत के साथ, डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी 2025 को 47वें अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। वे अमेरिकी इतिहास में पहले राष्ट्रपति हैं जिन्होंने दो बार महाभियोग का सामना किया और फिर भी पुनर्निर्वाचित हुए।

76. (C) राजस्व घाटा जीडीपी का 2.5% अनुमानित है।

व्याख्या:

- कथन A (सही): बजट में भारतीय भाषा पुस्तक योजना को लागू करने का प्रस्ताव है, जो स्कूलों और उच्चतर शिक्षा के लिए डिजिटल पुस्तकें प्रदान करेगी।
- कथन B (सही): बीमा क्षेत्र में FDI सीमा को 74% से बढ़ाकर 100% करने का प्रस्ताव किया गया है।
- कथन C (गलत): राजस्व घाटा जीडीपी का 1.5% अनुमानित है, न कि 2.5%।
- कथन D (सही): भारत ने टैप रियोजना के तहत, ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी माध्यमिक स्कूलों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी।

77. (C) 1 एवम् 3

व्याख्या:

- कथन 1 (सही): 25 जून, 2025 को 'एक्सओम मिशन 4' के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर भेजा गया था।
- कथन 2 (गलत): 'SpaceX' ड्रैगन अंतरिक्ष यान को GSLV Mk III रॉकेट से नहीं, बल्कि Falcon 9 रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया था।

- कथन 3 (सही): यह प्रक्षेपण फ्लोरिडा स्थित केप कैनावेरल के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र के प्रक्षेपण कॉम्प्लेक्स 39A से किया गया था।

78. (B) माइक्रोसॉफ्ट

व्याख्या:

मेजराना 1 (Majorana 1), माइक्रोसॉफ्ट कंपनी द्वारा विकसित की गई विश्व की पहली टोपोलॉजिकल क्वांटम चिप है। यह चिप माइक्रोसॉफ्ट के लंबे समय से चल रहे टोपोलॉजिकल क्वांटम कंप्यूटिंग प्रोजेक्ट का परिणाम है।

- मेजराना 1 को फरवरी 2025 में एक शोध उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया था।
- यह चिप 8 क्यूबिट्स वाले एक प्रोटोटाइप के रूप में विकसित की गई है, और इसे भविष्य में 10 लाख (1 Million) क्यूबिट्स तक बढ़ाने योग्य आर्किटेक्चर के साथ डिजाइन किया गया है।
- मेजराना 1 को क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में एक संभावित गेम चेंजर माना जा रहा है, क्योंकि यह भविष्य में कम समय में बड़े पैमाने पर फॉल्ट-टॉलरेंट क्वांटम कंप्यूटर बनाने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

इसके अलावा, अमेजन ने ऑसलेट (Ocelot) नामक एक प्रायोगिक क्वांटम प्रोसेसर चिप लॉन्च किया है, जो 9 क्यूबिट की क्वांटम चिप है।

79. (D) श्री सिद्धेश्वर स्वामी जी BHS, कर्नाटक

व्याख्या:

जून 2025 तक, भारत में कुल 49 जैव विविधता विरासत स्थल (BHS) अधिसूचित किए जा चुके हैं। इनमें से 49वां स्थल है: "श्री सिद्धेश्वर स्वामी जी जैव विविधता विरासत स्थल", जो कर्नाटक में स्थित है।

- पहला BHS कर्नाटक का नल्लूर टैमरिंड ग्रोव था।
- यदि सबसे अधिक BHS वाले राज्य की बात की जाए, तो पश्चिम बंगाल सूची में शीर्ष पर है, जहां कुल 10 स्थल हैं।

80. (C) एनदजामेना (N'Djamena)

व्याख्या:

हालांकि आम धारणा यह थी कि नई दिल्ली विश्व की सबसे प्रदूषित राजधानी है, लेकिन IQAir की रिपोर्ट के अनुसार, चाड की राजधानी एनदजामेना का $PM_{2.5}$ स्तर $91.8 \mu g/m^3$ था, जबकि नई दिल्ली का स्तर $91.6 \mu g/m^3$ था।

इस प्रकार, एनदजामेना को दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी घोषित किया गया।

2024 में सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी शहरों के शीर्ष 3:

1. एनदजामेना, चाड - $PM_{2.5}$ स्तर $91.8 \mu g/m^3$
2. नई दिल्ली, भारत - $PM_{2.5}$ स्तर $91.6 \mu g/m^3$
3. ढाका, बांग्लादेश - $PM_{2.5}$ स्तर $78.0 \mu g/m^3$

81. (C) नेफिथ्रोमाइसिन

व्याख्या:

नेफिथ्रोमाइसिन भारत में विकसित किया गया पहला स्वदेशी एंटीबायोटिक है, जिसे 20 नवंबर 2024 को लॉन्च किया गया। इसका उद्देश्य दवा प्रतिरोधी संक्रमणों से मुकाबला करना है।

- इस एंटीबायोटिक को 'जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद' (BIRAC) के सहयोग से विकसित किया गया है।
- BIRAC भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्थापित एक गैर-लाभकारी सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

महत्वपूर्ण सूचना

प्रिय छात्रों,

Result Mitra आपके निरंतर सहयोग के साथ बना रहा है और आगे भी बना रहेगा। इसी commitment के साथ, हमने निर्णय लिया है कि 20 सितंबर से 7वीं BPSC MAINS की डेस्क सीरीज शुरू की जाएगी। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप BPSC PRELIMS परीक्षा को अवश्य उत्तीर्ण करेंगे। इसलिए यह समय अब टाकने का नहीं, बल्कि MAINS की तैयारी को सही दिशा और सही approach के साथ निरंतर मेहनत जारी रखने का है।

विदित है कि पिछली 70वीं BPSC MAINS डेस्क सीरीज में हमारे लगभग 40% प्रश्न परीक्षा में आए थे। इस बार (7वीं BPSC MAINS) हम नया इतिहास बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अतः, छात्रियों, इस अवसर को हाथ से जाने न दें। आइए, Result Mitra MAINS डेस्क सीरीज प्रोग्राम के साथ जुड़े और बेहतर भविष्य के लिए बेहतर परिणाम को सुनिश्चित करें।

धन्यवाद 🙏

9235313184, 9667693596

82. (A) a-2, b-1, c-4, d-3

व्याख्या:

शक्तिकांत दास - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव

22 फरवरी 2025 को शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव के रूप में नियुक्त किया गया।

तुहिन कांत पाण्डे - भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) के अध्यक्ष 1 मार्च 2025 को तुहिन कांत पाण्डे ने SEBI के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

टी. वी. सोमनाथन - कैबिनेट सचिव 30 अगस्त 2024 को टी. वी. सोमनाथन ने कैबिनेट सचिव का पदभार ग्रहण किया।

गोपाल विठ्ठल - दूरसंचार क्षेत्र के GSMA के निदेशक मंडल के अध्यक्ष

मार्च 2025 में गोपाल विठ्ठल को GSMA के निदेशक मंडल का अध्यक्ष चुना गया।

83. (C) दोनों 1 और 2

व्याख्या:

कथन 1 (सही): बिहार 28 जनवरी 2025 को नगरपालिका चुनावों के दौरान भारत का पहला मोबाइल-आधारित ई-वोटिंग सिस्टम लागू करने वाला राज्य बना, जैसा कि बिहार राज्य चुनाव आयोग द्वारा घोषित किया गया।

कथन 2 (सही): सी-डैक द्वारा विकसित ई-एसईसीबीएचआर ऐप में ब्लॉकचेन तकनीक, चेहरा पहचान, बायोमेट्रिक स्कैनिंग और मतदाता पहचान सत्यापन जैसे उन्नत सुरक्षा उपाय शामिल हैं, ताकि पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अतिरिक्त जानकारी :

बिहार के पूर्व चंपारण के पकड़ीदयाल की बिभा कुमारी भारत की पहली ई-मतदाता बनीं। उन्होंने जून 2025 में नगरपालिका उपचुनाव के दौरान पहला मोबाइल-आधारित इलेक्ट्रॉनिक वोट डाला।

84. (B) द्रव्यरत्नाकरनिघण्टु: और

द्रव्यनामाकरनिघण्टु

आयुष मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने पारंपरिक चिकित्सा में देश की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दो दुर्लभ और महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक पांडुलिपियों

- द्रव्यरत्नाकरनिघण्टु: और द्रव्यनामाकरनिघण्टु: को पुनर्जीवित किया है।

इन प्रकाशनों का अनावरण मुंबई में राजा रामदेव आनंदीलाल पोदार (आरआरएपी) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक प्रोफेसर वैद्य रविनारायण आचार्य उपस्थित थे। उन्होंने पारंपरिक आयुर्वेदिक साहित्य के अनुसंधान, डिजिटलीकरण और पुनरुद्धार में 'केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय की गतिविधियों' पर मुख्य भाषण भी दिया।

85. (A) केवल 1

व्याख्या:

- कथन 1 (सही): मई, 2025 में आइजोल को नई बैराबी सेरांग रेलवेलाइन के माध्यम से राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ा गया है।
- कथन 2 (गलत): आइजोल पूर्वोत्तर की पहली राजधानी नहीं है, जिसे रेल नेटवर्क से जोड़ा गया। आइजोल पूर्वोत्तर की चौथी राजधानी है, जिसे रेल नेटवर्क से जोड़ा गया है। इससे पहले गुवाहाटी, अगरतला, और ईटानगर को रेल नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है।

86. (B) a-2, b-1, c-3, d-4

व्याख्या:

- डिब्रूगढ़, असम - दूसरी राजधानी घोषित
26 जनवरी 2025 को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वासरमा ने डिब्रूगढ़ को असम की दूसरी राजधानी घोषित किया।
- इंदौर, मध्य प्रदेश - भारत का पहला भिखारी-मुक्त शहर
मई 2025 में इंदौर को आधिकारिक रूप से भारत का पहला भिखारी-मुक्त शहर घोषित किया गया।
- मोहाली, पंजाब - पहला बायोमैनुफैक्चरिंग इंस्टीट्यूट

28 अक्टूबर 2024 को डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा BIRAC-National Agri-Food Biomanufacturing Institute का उद्घाटन किया गया।

वडोदरा, गुजरात - सी-295 विमान निर्माण का उद्घाटन

28 अक्टूबर 2024 को पीएम मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री ने टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का संयुक्त उद्घाटन किया।

87. (B) टेक्सास

व्याख्या:

बिहार की समृद्ध विरासत और वैश्विक प्रभाव को सम्मानित करने के लिए, भोजपुरी अवधी एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (BAANA) विभिन्न समुदाय संगठनों के सहयोग से और ह्यूस्टन स्थित भारत के वाणिज्य दूतावास (CGI Houston) के समर्थन से टेक्सास में पहला बिहार दिवस आयोजित करने जा रहा है।

88. (A) केवल 1 और 3

व्याख्या:

- कथन 1 (सही): संस्कृत कविता संग्रह 'बालविश्वम' के लिए पुरस्कार प्रीति पुजारा को मिला।
- कथन 2 (गलत): हिंदी में 'एक बटे बारह' को पुरस्कार मिला, लेकिन यह कविता संग्रह नहीं बल्कि एकलघु कहानी संग्रह था।
- कथन 3 (सही): अंग्रेजी में 'South Indian Myths and Fables Retold' नामक मिथकीय कहानियों के पुनर्पाठ पर आधारित कहानी संग्रह को पुरस्कार मिला।

89. (A) प्रथम

व्याख्या:

नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (NBPDC) को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण-2024 में डिस्कॉम क्षेत्र में उत्कृष्ट ऊर्जा संरक्षण कार्यों के लिए पहला पुरस्कार दिया गया है। यह पुरस्कार

केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा ऊर्जा दक्षता और स्थिरताके क्षेत्र में उनके योगदान को मान्यता देने के लिए दिया गया।

90. (A) डॉ० आदित्य शेखर

व्याख्या:

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के जीव वैज्ञानिकडॉ. आदित्य शेखरने निमोनिया की नई दवा कीखोज की है, जिसका प्रकाशनCell Press Journalमें हुआ है। यह दवा बैक्टीरिया के हानिकारक टॉक्सिन को बेअसर करती है और एंटीबायोटिकरेजिस्टेंस को मात देने में सक्षम है।

91. (B) गयाजी

व्याख्या:

बिहार केगयाजिलेके कालचक्र मैदान में तीन दिवसीयबौद्धमहोत्सव 2025का आयोजन किया गया। इस बौद्ध महोत्सव में आध्यात्मिक, सांस्कृतिकऔर पर्यटन गतिविधियों की झलक देखने को मिली। स्थानीय कलाकारों के अलावाइंडोनेशिया, लाओस, जापानसहित 6 देशों केकलाकारों ने इसमें भाग लिया। एक बौद्ध फिल्म महोत्सव का भी आयोजन किया गया, जिसमेंकई देशों के बड़े फिल्म निर्माताओं, लेखकों आदि को आमंत्रित किया गया।

यह फिल्म महोत्सवऔर कला महोत्सवमहाबोधि कन्वेंशन सेंटरमें आयोजित किया गया था।

92.(B) डॉ. मीनाक्षी कुमारी (मधुबनी) एवं सिकेन्द्रकुमार सुमन (कैमूर)

व्याख्या:

कैमूर जिले के तरहानी न्यू प्राइमरी स्कूल के प्रभारीप्रधानाध्यापकसिकंदर कुमार सुमनऔर मधुबनीजिले केशिव गंगा गर्ल्स हाई स्कूलकीशिक्षिकाडॉ. मीनाक्षी कुमारीकोदिल्ली के विज्ञान भवनमें शिक्षक दिवस केमौके पर5 सितंबरको राष्ट्रपतिद्रौपदी मुर्मूद्वारा सम्मानित किया गया।

93. (D) अंत्योदय अन्न योजना

व्याख्या:

A. एकीकृत ग्रामीण विकास (IRDP) :यह योजना 1978-79 में शुरू की गई और 1980 में छठी पंचवर्षीय योजना के तहत लागू की गई थी। इसका उद्देश्य ग्रामीण गरीबी को कम करना और गरीब परिवारों को सशक्त बनाना था।

B. ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी योजना -

1983: यह योजना 1983 में शुरू की गई थी और इसका लक्ष्य ग्रामीण भूमिहीन श्रमिकों को रोजगार प्रदान करना था।

C. डेयरी विकास कार्यक्रम - 1983: यह योजना भी 1983 में शुरू की गई थी और इसका उद्देश्य डेयरी उद्योग को बढ़ावा देना था।

D. अंत्योदय अन्न योजना: यह योजना सर्वप्रथम 1977 में राजस्थान में शुरू की गई थी और 25 दिसंबर 2000 में इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया गया था। इस प्रकार यह योजना नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान शुरू हुई थी।

94. (D) कर चोरी के कारण सरकार के राजस्व में कमी आना

महत्वपूर्ण सूचना

प्रिय साधियों,
Result Mitra आपके मिलेवरण तक आपके साथ बना रहा है और हमें आगे भी बना रहेगा। इसी commitment के साथ, हमने निर्णय लिया है कि 20 सितंबर से 71वीं BPSC MAINS की टेस्ट सीरीज शुरू की जाएगी। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप BPSC PRELIMS परीक्षा को अवश्य उत्तीर्ण करेंगे। इसलिए यह समय अब कलने का नहीं, बल्कि MAINS की तैयारी को सही दिशा और सही approach के साथ निरंतर मेहनत जारी रखने का है।

विदित है कि पिछली 70वीं BPSC MAINS टेस्ट सीरीज में हमारे लगभग 40% प्रश्न परीक्षा में आए थे। इस बार (71वीं BPSC MAINS) हम नया इतिहास रचने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अतः, साधियों, इस अवसर को हाथ से जाने न दें। आइए, Result Mitra MAINS टेस्ट सीरीज प्रोग्राम के साथ जुड़े और बेहतरीन भविष्य के लिए बेहतरीन परिणाम को सुनिश्चित करें।

धन्यवाद 🙏
9235313184, 9667693596

व्याख्या:

काला धन मुख्य रूप से कर चोरी से बनता है। जब लोग अपने आमदनी का सही हिसाब नहीं देते और टैक्स नहीं चुकाते, तो सरकार को जरूरी राजस्व नहीं मिलता। इससे सरकारी योजनाएँ, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और अन्य विकास कार्य, प्रभावित होती हैं।

विकल्प A, B और C भी काले धन के परिणाम हैं, लेकिन सरकार के लिए सबसे गंभीर समस्या है राजस्व की हानि, क्योंकि इससे पूरे देश की अर्थव्यवस्था और विकास पर असर पड़ता है।

95. (C) लोगों की बैंकिंग आदत में वृद्धि

व्याख्या:

- मुद्रा गुणक उस प्रक्रिया को दर्शाता है जिसके माध्यम से बैंक आरक्षित नकद से अधिक पैसा सृजित करते हैं।
- यदि लोग अपना पैसा बैंक में जमा करने लगे, तो बैंकों के पास और अधिक निधि आ जाती है।
- बैंक इस धन को उधार देकर अर्थव्यवस्था में अधिक पैसा पैदा कर सकते हैं।
- इस प्रक्रिया से मुद्रा आपूर्ति बढ़ती है और मुद्रा गुणक अधिक होता है।

96. (B) राजस्व अधिशेष राज्य

व्याख्या:

एक राजस्व अधिशेष राज्य वह राज्य होता है जहाँ किसी वित्तीय वर्ष में राजस्व प्राप्तियाँ (Revenue Receipts) राजस्व व्यय (Revenue Expenditure) से अधिक होती हैं। बिहार में 2023-24 में राजस्व प्राप्तियाँ ₹1,93,347 करोड़ थी, जबकि राजस्व व्यय ₹1,90,514 करोड़ था, जिससे ₹2,833 करोड़ का अधिशेष रहा। इसका मतलब है कि राज्य अपनी नियमित सरकारी खर्चों को अपनी आय से पूरा कर सकता है और ऋण पर कम निर्भर है।

97. (B) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976

व्याख्या:

- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRBs) की स्थापनानरसिंहम वर्किंग ग्रुप (1975)की सिफारिशों के आधार पर की गई। प्रारंभिक रूप से, 2 अक्टूबर 1975को पांच RRBs की स्थापनाअध्यादेशके माध्यम से हुई। बाद में, यह अध्यादेशक्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया।
- RRBs कास्वामित्व तीन हिस्सों में विभाजित है:
 - केंद्र सरकार: 50%
 - राज्य सरकार: 15%

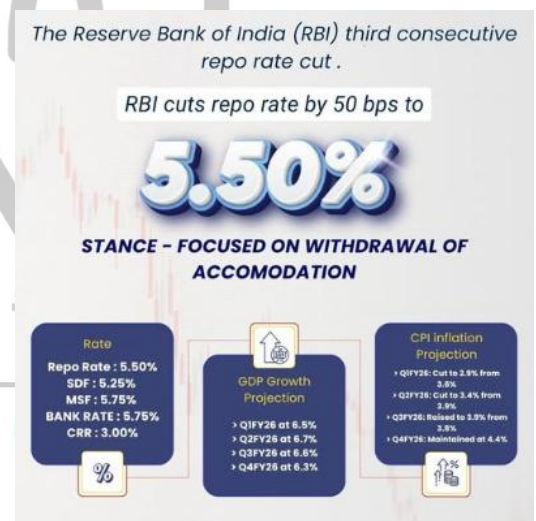
- प्रायोजक वाणिज्यिक बैंक: 35%

- इनकाविनियमन भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)करता है औरपर्यवेक्षण NABARDद्वारा किया जाता है। कर उद्देश्यों से आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत इन्हें सहकारी संस्थाओं के रूप में दर्जा प्राप्त है।
- RRBs का मुख्य उद्देश्यग्रामीण क्षेत्रों में किसानों, ग्रामीण उद्यमियों और गरीब लोगों को ऋण और बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध करानाहै।

98.(A) केवल 1

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: RBI ने 6 जून 2025 को 55वीं मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद अपनी



नवीनतम मौद्रिक नीति मेंपॉलिसी रेपो दर को 50 बेसिस पॉइंट घटाकर 6.00% से घटाकर 5.50%किया है।

- कथन 2 गलत है: RBI नेमार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (MSF) दर और बैंक दर को 5.75%रखा है, न कि 6.50%. MSF दर अधिकतम तरलता की सुविधा के लिए बैंकिंग क्षेत्र को प्रदान की जाती है, और यह नीति रेपो दर से 25 बेसिस पॉइंट अधिक होती है।

इसका उद्देश्यमध्यम अवधि में CPI मुद्रास्फीति को 4% (+/-2%) के लक्ष्य के भीतर बनाए रखनाऔर आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

महत्वपूर्ण सूचना

प्रिय साथियों,

Result Mitra आपके सिलेक्शन तक आपके साथ बना रहा हैं और आगे भी बना रहेगा। इसी commitment के साथ, हमने निर्णय लिया है कि 20 सितंबर से 71वीं BPSC MAINS की टेस्ट सीरीज शुरू की जाएगी। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप BPSC PRELIMS परीक्षा को अवश्य उत्तीर्ण करेंगे। इसलिए यह समय अब रुकने का नहीं, बल्कि MAINS की तैयारी को सही दिशा और सही approach के साथ निरंतर मेहनत जारी रखने का है।

विदित है कि पिछली 70वीं BPSC MAINS टेस्ट सीरीज में हमारे लगभग 40% प्रश्न परीक्षा में आए थे। इस बार (71वीं BPSC MAINS) हम नया इतिहास रचने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अतः साथियों, इस अवसर को हाथ से जाने न दें। आइए, Result Mitra MAINS टेस्ट सीरीज प्रोग्राम के साथ जुड़े और बेहतर भविष्य के लिए बेहतर परिणाम को सुनिश्चित करें।

धन्यवाद

9235313184, 9667693596

99. (C) ब्याज भुगतान के बराबर

व्याख्या: प्राथमिक घाटा वह राशि है जो सरकार को अपने खर्चों को पूरा करने के लिए ब्याज भुगतान को छोड़कर उधार लेना पड़ता है। इसे इस तरह से समझ सकते हैं:

प्राथमिक घाटा = राजकोषीय घाटा - ब्याज भुगतान

- यदि प्राथमिक घाटा शून्य है, तो इसका मतलब है कि राजकोषीय घाटा केवल ब्याज भुगतान के बराबर है।
- यानी सरकार अपने नियमित खर्च अपनी आमदनी से पूरा कर सकती है, और जितना कर्ज लिया जाएगा वह केवल पुराने कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए होगा।

यह अर्थव्यवस्था की स्थिति बताता है कि सरकार की वित्तीय स्थिति स्थिर है और सिर्फ ब्याज भुगतान के लिए ही उधार की आवश्यकता है।

100. (D) CRR में कमी

व्याख्या:

- CRR (नकद आरक्षित अनुपात) : वह हिस्सा है जिसे बैंकों को RBI में जमा करना अनिवार्य होता है। जब RBI CRR घटाता है, तो बैंकों के पास तुरंत अतिरिक्त पैसा उपलब्ध हो जाता है, जिसे वे उधार या निवेश में इस्तेमाल कर सकते हैं।
- SLR (वैधानिक तरलता अनुपात) में बदलाव में अधिक समय लगता है, क्योंकि इसमें बैंकों को सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करना पड़ता है।
- रेपो दर और रिवर्स रेपो दर ब्याज दरों के माध्यम से धीरे-धीरे प्रभाव डालते हैं।
- इसलिए CRR में कमी सबसे तेज़ और प्रभावी तरीका है जिससे अर्थव्यवस्था में तुरंत नकदी प्रवाह सुनिश्चित किया जा सके।

101. (B) मुक्त बाजार आर्थिक नीतियों का एक समूह

व्याख्या:

वाशिंगटन सहमति (Washington Consensus)

1980 और 1990 के दशक में उभरने वाली आर्थिक नीतियों का एक समूह है, जिसे मुख्य रूप से विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) और अमेरिका द्वारा समर्थित किया गया। इसमें मुख्य रूप से बाजार मुक्त करना, सरकारी खर्च में कटौती, निजीकरण, कर सुधार और विदेशी निवेश को बढ़ावा देना जैसी नीतियाँ शामिल हैं। इसका उद्देश्य विकासशील देशों में आर्थिक स्थिरता और सतत विकास को प्रोत्साहित करना था।

102. (C) भारत की लोकलेखा निधि

व्याख्या

भारत सरकार के पास तीन प्रमुख निधियाँ होती हैं:

1. **भारत की संचित निधि :** अनुच्छेद 266(1) के तहत निर्मित। इसमें सरकार की सभी आय (कर और गैर-कर), ऋण और उनकी वसूली जमा होती है। संसद की अनुमति के बिना इस निधि से कोई व्यय नहीं किया जा सकता।
2. **भारत की लोकलेखा निधि :** अनुच्छेद 266(2) के तहत निर्मित। इसमें वह धन आता है जो सरकार का अपना नहीं होता, बल्कि जनता से उधार लिया गया होता है।
 - जैसे: राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (NSC), डाकघर बचत, भविष्य निधि (PF), बीमा और लघु बचत योजनाएँ।

इस धन का प्रबंधन सरकार करती है, लेकिन यह जनता को वापस करना उसकी जिम्मेदारी होती है। इस निधि से खर्च करने के लिए संसद की पूर्व अनुमति आवश्यक नहीं होती।

3. भारत की आकस्मिकता निधि :

अनुच्छेद 267(1) के तहत निर्मित। यह आपातकालीन व्यय के लिए होती है। वर्तमान में इसमें ₹500 करोड़ रखे जाते हैं और यह राष्ट्रपति के नियंत्रण में होती है।

103.(B) 12 दिसंबर, 1911

व्याख्या:

- बिहारको 12 दिसंबर, 1911 को एक पृथक प्रांत घोषित किया गया था, जब दिल्ली दरबार में राजा जॉर्ज पंचम और रानी मेरी की उपस्थिति में भारत की राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली में स्थानांतरित किया गया था।
- बिहार को औपचारिक रूप से 22 मार्च, 1912 को स्थापित किया गया, जिसे बिहार दिवस के रूप में मनाया जाता है, जब बिहार और उड़ीसा का मिलाजुला प्रांत बनाया गया।
- बिहार और उड़ीसा को 1 अप्रैल, 1936 को अलग कर दिया गया।

झारखंड को 15 नवम्बर, 2000 को बिहार से अलग कर दिया गया, जो भारत का 28वां राज्य बन गया, और इसने बिहार की 46% भूमि और 24 जिलों को अपने में शामिल कर लिया।

104. (B) 101

व्याख्या:

बिहार के प्रशासनिक विभाजन

- कुल प्रमंडल की संख्या: 9
- कुल जिलों की संख्या: 38 (अरवल सबसे नया, 38वां जिला)
- कुल अनुमंडल की संख्या: 101
- कुल ब्लॉकों/अंचलों की संख्या: 534
- कुल पंचायतों की संख्या: 8,058
- कुल नगर निगमों (नगर निगम) की संख्या: 19 (सहरसा सबसे नया, 19वां)
- कुल नगर परिषदों (नगर परिषद) की संख्या: 88
- कुल नगर पंचायतों की संख्या: 154
- कुल पुलिस जिलों की संख्या: 40 (38 सामान्य + 2 पुलिस जिले: बगहा और नौगछिया)

105. (B) बगहा और नौगछिया

व्याख्या:

अपने हालिया बयान में प्रशांत किशोर ने कहा कि राहुल गांधी शायद बिहार के 40 जिलों के नामों से परिचित नहीं होंगे। हालांकि, बिहार में आधिकारिक रूप से केवल 38 प्रशासनिक जिले हैं। यह भ्रम शायद इस कारण उत्पन्न हुआ कि बिहार में दो पुलिस जिले हैं, जो प्रशासनिक जिलों से अलग हैं। ये पुलिस जिले निम्नलिखित हैं:

- बगहा पुलिस जिला: 2005 में स्थापित, यह पुलिस जिला बेतिया के अंतर्गत है और नेपाल सीमा के पास स्थित है। इसे सीमा क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया था, और यहां एक अलग पुलिस अधीक्षक (SP) के तहत पुलिसिंग की जाती है।
- नौगछिया पुलिस जिला: 2016 में स्थापित, यह पुलिस जिला भागलपुर के अंतर्गत आता है। बगहा की तरह, नौगछिया के पास भी एक स्वतंत्र पुलिस अधीक्षक (SP) है और इसे क्षेत्रीय कानून प्रवर्तन समस्याओं को सुधारने के लिए बनाया गया था।

ये पुलिस जिले सामान्य प्रशासनिक जिलों से अलग होते हैं। इन्हें विशेष रूप से कानून प्रवर्तन, अपराध नियंत्रण और विशिष्ट क्षेत्रों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनके पास अपने स्वतंत्र पुलिस स्टेशन और कर्मचारियों के साथ, ये स्थानीय कानून और व्यवस्था के मुद्दों को हल करने में काम करते हैं।

106. (A) 1, 2, 3, 4, 6, 7

व्याख्या:

बिहार के कुल 7 जिले नेपाल के साथ सीमा साझा करते हैं:

1. पश्चिम चंपारण
2. पूर्वी चंपारण
3. सीतामढ़ी
4. मधुबनी
5. सुपौल
6. अररिया
7. किशनगंज



- "किकट" शब्द पुराणों में "अशुद्ध भूमि" के रूप में प्रयोग किया जाता है, जबकि "व्रत्य" पूर्वी लोगों का संदर्भ देता है, और "मगध" बिहार के एकअलग क्षेत्र को दर्शाता है।

109. (A) अजातशत्रु

व्याख्या:

- अजातशत्रु, जो 492-460 ईसा पूर्व तक शासित था, "कुनिक" नाम से भी जाना जाता है। यह उपनाम उसके कुख्यातपितृहत्यासे जुड़ा हुआ है, क्योंकि माना जाता है कि उसने सिंहासन पर कब्जा करने के लिए अपने पिता, राजा बिम्बिसारको मार डाला।
- शुरुआतमें अजातशत्रु नेजैन धर्मको अपनाया था, लेकिन अपने शासनकाल के बाद में उसनेबौद्धधर्मको अपनाया। उसका शासन न केवल उसकेहिंसकरूप से सत्ता में आनेके लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि इसके बाद उसका बौद्ध धर्म कोस्वीकार करना, प्राचीन भारत के धार्मिक परिदृश्यमें एक महत्वपूर्ण मोड़ को दर्शाता है।

110. (B) कूजुल कदफिसेस; शक संवत

व्याख्या:

- कुषाण वंशकी स्थापनाकूजुल कदफिसेसने की थी, जिसेकुजुकुषाणके नाम से भी जाना जाता है। उसने इस वंश की स्थापना 1st शताब्दी ईस्वी केउत्तरार्ध में की थी।
- कुषाणवंश के सबसे प्रसिद्ध शासककणिष्क (78-144 ईस्वी) को78 ईस्वीमेंशक युगकी शुरुआत करने का श्रेय प्राप्त है, जो अब भी भारत के राष्ट्रीय कैलेंडर के रूप में उपयोग किया जाता है।
- शक युगने कणिष्क के शासनकाल के दौरान एक महत्वपूर्णसांस्कृतिक और ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुआ।

111. (B) केवल 2

व्याख्या:

- कलिंग युद्ध, जो 261 ईसा पूर्व में लड़ा गया था, जो अशोकके शासन के8वें वर्षमें हुआ था

इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित जिले अन्य राज्योंसे सीमा साझा करते हैं:

- उत्तर प्रदेश: पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, सिवान, सारण, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास (कुल 8 जिले)
- झारखंड: रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, जमुई, बांका, भागलपुर, कटिहार (कुल 8 जिले)
- पश्चिम बंगाल: किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार

107. (B) वैशाली

व्याख्या:

बिहार में कुछ महत्वपूर्ण नवपाषाण कालीन स्थल शामिल हैं:

- चिरंद (सारण जिला)
- चेचर (वैशाली जिला)
- मनेर (पटना जिला)
- सेणुवार (रोहतास जिला)

येस्थल लगभग 6000 वर्ष पुरानी हैं और प्रारंभिक खाद्य उत्पादन और बसी हुई गाँवों के जीवनके साक्ष्य प्रदान करते हैं, जहाँ पत्थर और हड्डी के औजारों की खोज की गई है।

108. (B) विदेह

व्याख्या:

- शतपथब्राह्मण, जो लगभग 800 ईसा पूर्व में लिखा गया था, बिहार के उत्तरी भाग के तिरहुत औरमिथिला क्षेत्रों को "विद्येह" के रूप में संदर्भित करता है। यह प्राचीनग्रंथों में क्षेत्र का एक प्रारंभिक उल्लेख है।

और इसे 13वें प्रमुख शिलालेख में विस्तृत रूप से बताया गया है। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।

- यह युद्ध अशोक पर गहरा प्रभाव डालने वाला था, जिससे उसने सैन्य विजय को छोड़ने का निर्णय लिया। उसने 13वें प्रमुख शिलालेख में यह घोषणा की कि वह अब युद्धों में भाग नहीं लेंगे, और इसके बजाय धर्म और बौद्ध धर्म के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ावा देंगे। इसलिए, कथन 2 सही है।

112. (A) चंद्रगुप्त I

व्याख्या:

समुद्रगुप्त, जिनका 335-375 ईस्वी तक शासनकाल था, चंद्रगुप्त I के पुत्र थे, जो गुप्त साम्राज्य के वास्तविक संस्थापक थे। उन्हें भारत के "नेपोलियन" के रूप में जाना जाता है, क्योंकि उन्होंने अपने विस्तृत सैन्य अभियानों के माध्यम से उत्तर भारत (आर्यावर्त) और दक्षिण भारत (दक्षिणापथ) के कई शासकों को हराया। उनकी उपलब्धियों को ईलाहाबाद शिला लेख में दर्ज किया गया है, जिसे उनके दरबारी कवि हरिसेन ने लिखा था।

113. (B) मिन्हाज-उस-सिराज

व्याख्या:

- टबकत-ए-नसिरी एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक ग्रंथ है जो दिल्ली सल्तनत, विशेषकर तुगलक वंश के दौरान के घटनाओं का विस्तृत विवरण प्रदान करता है। इसे मिन्हाज-उस-सिराज, एक फारसी इतिहासकार और विद्वान, ने लिखा था।
- यह कृति विशेष रूप से दिल्ली सल्तनत के युग में बिहार के इतिहास को समझने के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें प्रमुख घटनाएँ, राजनीतिक विकास और विभिन्न शासकों के शासनकाल का विवरण मिलता है।
- मिन्हाज का खाता मध्यकालीन बिहार के राजनीतिक और सामाजिक गतिशीलता का अध्ययन करने वाले इतिहासकारों के लिए एक प्रमुख स्रोत के रूप में कार्य करता है।

114. (B) 2010

व्याख्या:

- नालंदा विश्वविद्यालय अधिनियम 2010 में भारतीय सरकार द्वारा पारित किया गया था, ताकि नालंदा विश्वविद्यालय को एक अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में पुनर्जीवित किया जा सके।
- नालंदा, जिसे मूल रूप से कुमारगुप्त I द्वारा 5वीं शताब्दी में स्थापित किया गया था, दुनिया के पहले महान विश्वविद्यालयों में से एक था, जोगुप्त काल के दौरान फला-फूला।
- यह विश्वविद्यालय एशिया भर के विद्वानों को आकर्षित करता था, जिनमें प्रसिद्ध व्यक्ति जैसे हवेनत्सांग और आर्यभट्ट ने वहाँ अध्ययन किया या शिक्षा दी।
- प्राचीन विश्वविद्यालय को 12वीं शताब्दी में बख्तियार खिलजी द्वारा विध्वंसित कर दिया गया था।

115. (C) सिताब दीआरा

व्याख्या:

- लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी), जो एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी और समाजवादी नेता थे, सारणजिले (बिहार) के सिताब दीआरा में जन्मे थे।
- उन्होंने नेमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और हजारीबाग जेल से भागकर आज़ाद दस्ता का गठन किया।
- बाद में, 1975 में, उन्होंने इंदिरा गांधी के खिलाफ सम्पूर्ण क्रांतिकारी नेतृत्व किया। जेपी के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक सुधारों में अद्वितीय योगदान के लिए उन्हें 1965 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

116. (B) केवल 1 और 3

व्याख्या:

- बिहार भारत में क्षेत्रफल के हिसाब से 12वां सबसे बड़ा राज्य है, यानी यह क्षेत्रफल में मध्य आकार का है, हालांकि यह सबसे बड़े राज्यों में से नहीं है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार, बिहार की जनसंख्या 104,099,452 है, जो भारत की

कुल जनसंख्या का 8.6% है, न कि 9.6% (यह आंकड़ा गलत है)। इसलिए, कथन 2 सही है।

बिहार जनसंख्या के हिसाब से भारत में तीसरे स्थान पर है, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद। इसके छोटे आकार के बावजूद, बिहार में जनसंख्या घनत्व बहुत अधिक है, जो राज्य की महत्वपूर्ण जनसंख्यिकीय स्थिति को दर्शाता है।

117. (A) संथाल

व्याख्या:

- संथाल जनजाति बिहार की सबसे बड़ी जनजाति है, जो राज्य की कुल जनजातीय जनसंख्या का लगभग 48% बनाती है।
- संथाल मुख्य रूप से बांका, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया और सहरसा जिलों में निवास करते हैं।
- अपने विशिष्ट भाषा, परंपराओं और कृषि अभ्यासों के लिए प्रसिद्ध, संथाल बिहार के सामाजिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

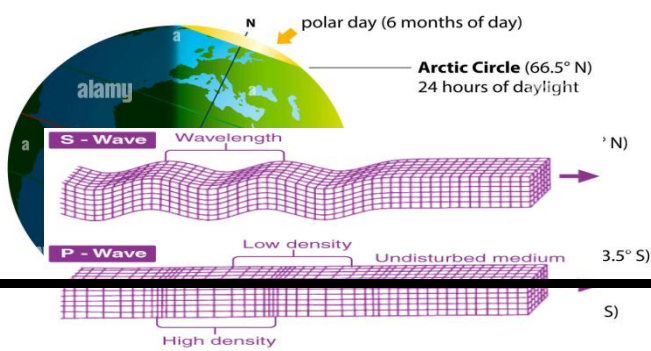
इतिहास में उन्होंने कई सामाजिक आंदोलनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम भी शामिल है, और आज भी वे राज्य की विविधता और धरोहर में योगदान कर रहे हैं।

118. (B) गया

व्याख्या:

- मुछिलिंदा झील बिहार के गया जिले में स्थित है और इसका बौद्ध धर्म में गहरा ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है।
- बौद्ध परंपरा के अनुसार, यह वही स्थान है जहाँ बुद्ध ने अपनी प्रबोधन के बाद एक तूफान से बचने के लिए शरण ली थी।
- उन्हें मुछिलिंदा नाग, जो एक सर्पराजा थे, ने सर्पों की छांव में रक्षा प्रदान की थी।

summer solstice (June 21)

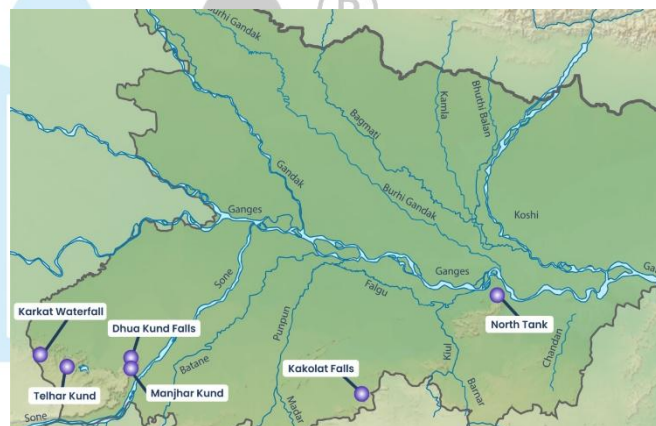


- यह झील बुद्ध के जीवन के एक महत्वपूर्ण घटना से जुड़ी हुई है।

119. (B) कैमूर

व्याख्या:

- कर्कट जलप्रपात बिहार के कैमूर जिले में स्थित है। यह चित्रमय जलप्रपात एक खूबसूरत प्राकृतिक वातावरण में स्थित है, जहाँ घना हरा-भरा वन और पहाड़ी इलाकों का दृश्य है, जो प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय स्थल बनाता है।



- कैमूर जिला अन्य प्राकृतिक आकर्षणों के लिए भी प्रसिद्ध है, जैसे कि पहाड़ियां और अन्य जलप्रपात, जैसे कितेलहर जलप्रपात, जो इस क्षेत्र की दृश्यात्मक सुंदरता और पारिस्थितिकीय महत्व को और बढ़ाते हैं।

120. (B) लगभग 21 जून

व्याख्या:

- ग्रीष्म संक्रांति, जिसे मध्य ग्रीष्म संक्रांति भी कहा जाता है, तब होती है जब पृथ्वी का एक ध्रुव सूर्य की ओर अधिकतम झुक जाता है। उत्तरी गोलार्ध में, यह 21 जून के आसपास होता है, जो वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है।
- इसी समय, दक्षिणी गोलार्ध में शीतकालीन संक्रांति होती है। यह खगोलीय घटना वर्ष में दो बार, प्रत्येक गोलार्ध में एक बार, घटित होती है।

121.(C) 1 और 2 दोनों

व्याख्या:

➤ P तरंगें (Primary Waves)

सबसे तेज भूकंपीय तरंगें होती हैं और इस कारण वे सिस्मो

ग्राफ़ तक सबसे पहले पहुँचती हैं। S

तरंगें धीमी गति से चलती हैं और P

तरंगों के बाद दर्ज होती हैं।

इन दोनों तरंगों के आगमन समय का अंतर भूकंप के केंद्र बिंदु

दु

(Epicenter) का पता लगाने का एक महत्वपूर्ण साधन है।

इसलिए कथन 1 सही है।

➤ P तरंगें अनुदैर्घ्य तरंगें (Longitudinal Waves)

होती हैं,

जिनमें कण तरंग संचरण की दिशा के समानांतर गति करते

हैं। S तरंगें अनुप्रस्थ तरंगें (Transverse Waves)

होती हैं, जिनमें कण तरंग संचरण की दिशा के लम्बवत

(पार्श्व या ऊपर-नीचे) गति करते हैं। यह विशेषता P

और S

तरंगों को अलग करने तथा पृथ्वी की आंतरिक संरचना

(Internal

Structure) का अध्ययन करने में सहायक होती है।

इसलिए कथन 2 भी सही है।

अतिरिक्त टिप्पणी:

- विभिन्न सिस्मोग्राफ़ केंद्रों पर P और S

तरंगों के आगमन समय के अंतर का उपयोग करके भूकंप के

केंद्र बिंदु

(Epicenter) का पता लगाया जाता है और उसकी तीव्रता

का अनुमान लगाया जाता है।

- इन तरंगों के व्यवहार से पृथ्वी की परतों की संरचना और उन

की अवस्था

(ठोस या द्रव) के बारे में भी जानकारी प्राप्त होती है।

तों के वलित (Folding) होने से बनते हैं। उदाहरण:

हिमालय, आल्प्स, एण्डीज़।

➤ भंश-खंड पर्वत (Fault-block



Mountains): ये पर्वत भंश रेखाओं के साथ शैल खंडों के उत्थान से बनते हैं। उदाहरण: सिएरानेवादा, हार्ज़।

➤ ज्वालामुखी पर्वत (Volcanic

Mountains): ये पर्वत ठोस ज्वालामुखीय पदार्थों के संचय से निर्मित होते हैं। उदाहरण: किलिमंजारो पर्वत, फूजी पर्वत, कैस्केड श्रृंखला।

➤ गुंबद पर्वत (Dome

Mountains): इनकी विशेषता ऊपर की ओर उठी हुई गोलाकार शैल परतें होती हैं। उदाहरण: ब्लैक हिल्स, वोसगेस।

➤ पठारी पर्वत (Plateau Mountains): ये ऊँचे,

समतल-

शीर्ष वाले स्थल रूप होते हैं जो उत्थान और अपरदन से बने होते हैं। उदाहरण: कोलोराडो पठार, दक्कन का पठार।

➤ अवशिष्ट पर्वत (Residual

Mountains): ये पुराने पर्वतों के अवशेष होते हैं, जिनका व्यापक अपरदन (Erosion) हो चुका होता है।

➤ उदाहरण: एपलाचियन पर्वत, स्कॉटिश हाईलैंड्स।

122.(A) 1-C, 2-B, 3-A, 4-D

व्याख्या

➤ वलित पर्वत (Fold

Mountains): ये पर्वत विवर्तनिक बलों के कारण शैल पर

- **सागरीयतटीयपर्वत (Coastal Mountains):** ये समुद्र तटों के समीप पाए जाते हैं और विवि

Vere Henry Levinge)

के पर्यवेक्षण में किया गया था।

- यह झील ब्रिटिश और प्रारंभिक अमेरिकी मिशनरियों द्वारा
राबसाएगनगर के भीतर विकसित की गई थी।

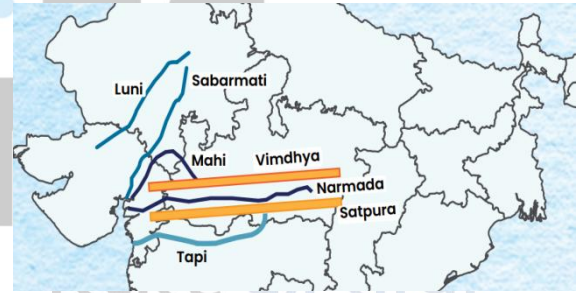
इसके विपरीत, **उटी झील,**

पुलिकट झील और चिल्का झील प्राकृतिक झीलें हैं।

125.(C) 1 और 2 दोनों

व्याख्या:

- **विन्ध्य पर्वत श्रृंखला** मध्य भारत में नर्मदा नदी के उत्तर में फैली हुई है और यह उत्तर भारत के मैदान तथा दक्षिण भारत के पठार के बीच प्राकृतिक विभाजन रेखा का निर्माण करती है।
- **सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला** नर्मदा नदी के दक्षिण में स्थित है और यह लगभग विन्ध्य श्रृंखला के समानांतर चलती है।
- ये दोनों पर्वत श्रृंखलाएँ मिलकर मध्य भारत की जल-निकासी प्रणाली (Drainage Pattern) और स्थलाकृति (Topography)



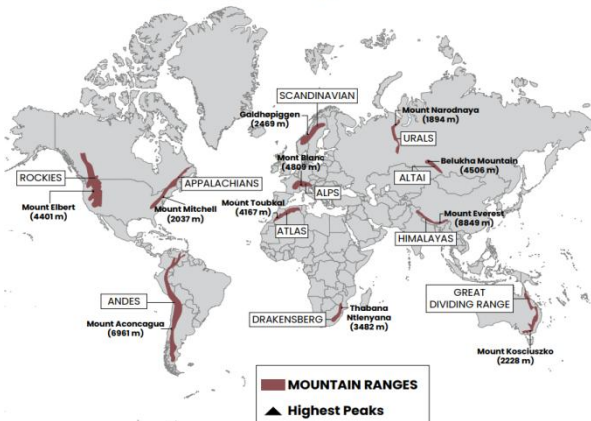
को प्रभावित करती हैं तथा पठार को उत्तरी और दक्षिणी भागों में विभाजित करती हैं।

126.(D) 1, 2 और 3

व्याख्या:

- **मिलम हिमनद (Milam Glacier)** - उत्तराखंड में स्थित है।
- **सतोपंथ हिमनद (Satopanth Glacier)** - उत्तराखंड में स्थित है।
- **छोटा शिग्री हिमनद (Chhota Shigri Glacier)** - हिमाचल प्रदेश में स्थित है।

Major Mountain Ranges of The World



र्तनिक क्रियाओं या अपरदन से निर्मित होते हैं। उदाहरण: कोस्ट पर्वत श्रृंखला, ग्रेट डिवाइडिंग रेंज।

123. (B) रंगीत नदी

व्याख्या:

- **रंगीत नदी** तीस्ता नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है।
- इसका उद्गम पश्चिम सिक्किम में **तालुंग हिमनद (Talung Glacier)** से होता है।
- यह लगभग 60 किलोमीटर बहने के बाद मल्ले (Malli) के पास, सिक्किम-पश्चिम बंगाल की सीमा के निकट, तीस्ता नदी में मिल जाती है।
- स्वयं तीस्ता नदी का उद्गम **सिक्किम हिमालय में त्सोल्हा मोझील (Tso Lhamo Lake)** से होता है और यह दक्षिण की ओर बहते हुए सिक्किम तथा पश्चिम बंगाल की सीमा का हिस्सा बनाती है।

124.(A) कोडाईकनाल झील

व्याख्या:

- **कोडाईकनाल झील (Kodai Lake)** तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले के कोडाईकनाल नगर में स्थित एक कृत्रिम झील है।
- इसका निर्माण 1863 में मदुरै के तत्कालीन कलेक्टर सर वीरहेनरी लेविंगे (Sir

जिनका पारंपरिक जीवन मुख्यतः शिकार और संग्रहण (Hunting and Gathering) पर आधारित है।

128.(A) सुमात्रा और जावा

व्याख्या:

- सुंडाजलडमरूमध्य इंडोनेशिया में स्थित एक संकीर्ण जल मार्ग है, जो सुमात्रा और जावा द्वीपों को अलग करता है।
- यह उत्तर में जावा सागर (Java Sea) को दक्षिण में हिंद महासागर (Indian Ocean) से जोड़ता है।
- यह एक महत्वपूर्ण नौवहन मार्ग (Shipping Route) है।
- सुंडाजलडमरूमध्य 1883 के विनाशकारी क्राकाटो आज्वाला मुखी विस्फोट के कारण भी प्रसिद्ध है।

129.(C) पेन्नार

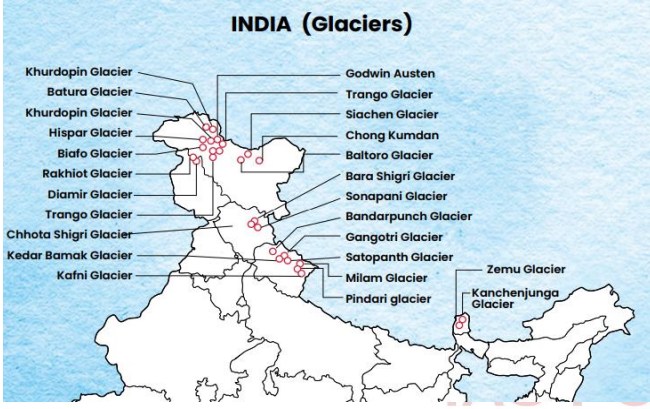
व्याख्या:

- गंडिकोटा घाटी, जिसे अक्सर "भारत का ग्रेंड कैन्यन" कहा जाता है, आंध्र प्रदेश में स्थित है।
- यह अद्भुत घाटी करोड़ों वर्षों से पेन्नार नदी द्वारा चट्टानों के अपरदन (erosion) से बनी है।
- पेन्नार नदी कडप्पा जिले से होकर बहती है और लगातार बहाव के कारण इसने गहरी घाटी और खड़ी चट्टानों वाली संरचना का निर्माण किया है।
- यही कारण है कि गंडिकोटा घाटी दक्षिण भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल और भूवैज्ञानिक स्थल बन चुकी है।

130.(B) पोर्ट ऑफ स्पेन

व्याख्या:

- पोर्ट ऑफ स्पेन त्रिनिदाद और टोबैगो की राजधानी तथा मुख्य बंदरगाह है।
- यह त्रिनिदाद द्वीप के उत्तर-पश्चिमी तट पर स्थित है।
- यह नगर देश का प्रशासनिक, वाणिज्यिक और सांस्कृतिक केंद्र है।



अतः तीनों हिमनद अपने-अपने सहारा राज्यों में स्थित हैं।

127.(C) 1 और 2 दोनों

व्याख्या:

- नल्लमाला पहाड़ियाँ पूर्वी घाट (Eastern Ghats) की एक महत्वपूर्ण श्रृंखला हैं।
- ये मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश के कुरनूल, प्रकाशम और गुंटूर जिलों में फैली हुई हैं तथा इनका एक छोटा भाग तेलंगाना में भी स्थित है।
- इन पहाड़ियों में घने वन पाए जाते हैं और यहाँ श्रीशैलम वन्य जीव अभयारण्य जैसे संरक्षित क्षेत्र मौजूद हैं।
- नल्लमाला पहाड़ियाँ कृष्णा और पेन्नार नदी प्रणालियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- यहाँ पर चेंचू जनजाति (Chenchu Tribe) निवास करती है, जो एक द्रविड़ जनजाति है और आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक तथा ओडिशा राज्यों में अनुसूचित जनजाति (Scheduled Tribe) के रूप में सूचीबद्ध है।
- चेंचू लोग एक मूल निवासी समुदाय हैं,



- पोर्टऑफस्पेनअपनेभव्यकार्निवलउत्सवकेलिएप्रसिद्ध है।
- साथही, यहनगरव्यापार, पर्यटनऔरआर्थिकगतिविधियोंकेलिएकैरेबियाईक्षेत्र काएकमहत्वपूर्णकेंद्रहै।

131.(B) कोयंबटूर

व्याख्या:

- कोयंबटूरने “दक्षिणभारतकामैनचेस्टर” कीउपाधिअर्जितकीहैक्योंकियहाँएकसुदृढ़वस्त्रउद्योग (Textile Industry)विकसितहुआहै, जोइंग्लैंडकेमैनचेस्टरकीयाददिलाताहै।
- यहनगरकपासमिलों, वस्त्रनिर्माणऔरसंबंधितउद्योगोंकाएकप्रमुखकेंद्रहै।
- इसकीअनुकूलभौगोलिकस्थिति, कच्चेमालकीउपलब्धताऔरलोगोंकीउद्यमशीलताकी भावनानेइसेदक्षिणभारतकाअग्रणीऔद्योगिकऔरवस्त्रकेंद्रबनादियाहै।

132.D) 2006

समाधान:

हमारेपास इस प्रकार का पैटर्न है...

हर पद = (पिछले पद × स्थिति) + 1

$$16 \times 2 + 1 = 33$$

$$33 \times 3 + 1 = 100$$

$$100 \times 4 + 1 = 401$$

$$401 \times 5 + 1 = 2006$$

इसलिए, उत्तर है 2006

133.D) 19.2

समाधान:

मान लीजिए संख्या को x के रूप में लिया गया है।

यदि किसी संख्या का 80% 768 है, तो

$$80x/100 = 768$$

$$x = (768 \times 100) / 80$$

$$x = 960$$

अब, उस संख्या का 40% का 5% निकालते हैं।

$$40/100 \times 5/100 \times 960$$

$$= 192000 / 10000$$

$$= 19.2$$

134.(B) 60, 40

समाधान:

मान लीजिए दोनों प्राकृतिक संख्याएँ x और y हैं।

तो, प्रश्न के अनुसार,

$$xy = 2400$$

$$x^2 + y^2 = 5200$$

$$\text{अब, } (x + y)^2 = x^2 + y^2 + 2xy = 5200 + 2 \times 2400 = 10000$$

इसलिए,

$$x + y = 100$$

विकल्पोसे, x = 60 और y = 40 हैं,

इसलिएसही उत्तर है (B) 60, 40

कोयंबटूर - मुख्यतथ्य

- तमिलनाडुराज्यमेंस्थित
- नॉय्यलनदीकेकिनारेबसाहुआ
- पश्चिमीघाटसेघिराहुआ
- जनसंख्याकेआधारपरचेन्नईकेबादतमिलनाडु कादूसरासबसेबड़ाशहर
- भारतका16वाँ सबसेबड़ाशहरीसमूह (जनगणना 2011 केअनुसार)
- कोयंबटूरज़िलेकीप्रशासनिकराजधानी
- कोयंबटूरनगरनिगमद्वाराशासित, जिसकीस्थापना1981मेंहुईथी

135.(D) 120

समाधान:

'DIARY' के अक्षरों से बनाये जाने वाले आवश्यक

शब्दोंकी संख्या 5 का गुणनफल (factorial of 5) होगी:

$$5! = 5 \times 4 \times 3 \times 2 \times 1 = 120$$

136.(B) Rs. 40

समाधान:

यहां, खर्चा समान है।

तो, यदि कीमत में 25% की वृद्धि होती है, तोखरीदी गई मात्रा 20% घटेगी।

प्रश्न के अनुसार, 20% = 6 किलो।

तो, 100% = 6 × 5 = 30 किलो।

इसलिए, मूल कीमत = खर्च / मूल मात्रा = 1200 / 30
= **Rs. 40** प्रति किलो।

137.(C)

हल

मान लीजिए कि अभीष्ट दूरी xxx किमी है।

$$\begin{aligned}\therefore \frac{x}{3} - \frac{x}{5} &= \frac{24}{60} \\ \Rightarrow \frac{5x - 3x}{15} &= \frac{2}{5} \Rightarrow \frac{2x}{3} = 2 \\ \Rightarrow 2x &= 2 \times 3 \Rightarrow x = 3 \text{ km}\end{aligned}$$

138.(D)

हल

L K P P Q S | L K P P Q S | L K P P Q
S | L K P P Q S

अतः, K P L P Q L S K P उत्तर होगा।

139.(B)

लाभ प्रतिशत = $130 + 870 \times 100$ [यदि 1000 -
870 = 130 ग्राम]
= **14.94%**

140. (D)

शंकु का आयतन
"प्रश्नानुसार" $= \frac{1}{3} \pi r^2 h$

$$\frac{\frac{1}{3} \pi r_1^2 h_1}{\frac{1}{3} \pi r_2^2 h_2} = \frac{3}{5}$$

141.D) पोती

हल

A, B की बहन है, और B, C की बेटी है।

अतः A भी C की बेटी हुई। चूँकि D, C का पिता है,
इसलिए A, D की पोती है।

142.(c)

व्याख्या:

5-9 अप्रैल 2025 को अंतर-संसदीय संघ (IPU) की
ऐतिहासिक 150वीं बैठक ताशकंद, उज्बेकिस्तान में

आयोजित की गई। IPU विश्व के संसदों के बीच संवाद
और लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए कार्य करता है।

143.(c)

मणिपुर में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की कुल संख्या 60
है। अतः विकल्प

(c) सुमेलित नहीं है।

144.(c)

राजनैतिक दल

स्थापना वर्ष

- बहुजन समाज पार्टी -1984
- समाजवादी पार्टी - 1992
- तेलुगू देशम पार्टी -1982
- आल इंडिया तृणमूल कांग्रेस -1998

अतः इन दलों की स्थापना का सही कालक्रम III, I, II,
IV है, जो कि विकल्प (c) में प्राप्त हो रहा है।

145.(A)

व्याख्या:

1773 का रेगुलेटिंग एक्ट पहला ऐसा अधिनियम था
जिसने ब्रिटिश शासन के प्रशासन को विनियमित किया।

अतः कथन 1 सही है

1833 का चार्टर एक्ट ने भारत में विधायी एकता
स्थापित की और गवर्नर जनरल को विधायी शक्ति प्रदान
की। अतः कथन 2 सही है।

1858 के अधिनियम ने ब्रिटिश क्राउन के अधीन शासन
स्थापित किया, लेकिन द्वैध शासन 1919 के अधिनियम
में आया। अतः कथन 3 गलत है।

146.(B)

व्याख्या:

1935 का भारत सरकार अधिनियम ब्रिटिश भारत के
संवैधानिक सुधारों में सबसे महत्वपूर्ण था।

इसके तहत संघीय न्यायालय (Federal Court) की
स्थापना की गई, जो बाद में 1950 में भारतीय सर्वोच्च
न्यायालय में परिवर्तित हो गया। प्रांतीय स्वायत्तता लागू

की गई। केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन किया गया।

147.(C)

व्याख्या:

भारतका संविधानसंघात्मक होते हुए भी कई एकात्मकविशेषताओंसे युक्त है। उनमें से एक प्रमुख विशेषता है -अखिल भारतीय सेवाएं (IAS, IPS, IFS)। इन सेवाओं कीभर्ती और प्रशिक्षण केंद्र सरकारद्वारा किया जाता है, जबकि ये अधिकारीराज्यों में तैनात किए जाते हैं। इस परकेंद्रका पूर्ण नियंत्रणरहता है। यह व्यवस्था संघीय सिद्धांत के विपरीत है क्योंकि संघात्मकव्यवस्था में लोक सेवाएं सामान्यतः राज्यों के अधीन होती हैं।

148.(A)

व्याख्या:

मौलिक अधिकार (Fundamental Rights) अमेरिका से लिया गया।

संसदीय प्रणाली (Parliamentary System) - ब्रिटेन से प्रेरित।

नीति निदेशक तत्व (Directive Principles of State Policy) आयरलैंड से लिया गया।

संघीय व्यवस्था (Federal System) -कनाडा से प्रेरित।

149.(B)

व्याख्या:

कथन 1 सही है 42वें संशोधन (1976) द्वारा प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'पंथनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द जोड़े गए थे।

कथन 2 गलत है- केशवानंद भारती केस (1973) में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि प्रस्तावना संविधान का हिस्सा है, लेकिन यह स्वयं कोई प्रवर्तन योग्य प्रावधान नहीं देती।

कथन 3 सही है - बेरू-बारी वाद (1960) में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि प्रस्तावना को संविधान की आधारशिला माना जा सकता है, लेकिन यदि संविधान के किसी अनुच्छेद से टकराव होता है, तो अनुच्छेद को प्राथमिकता दी जाएगी।

कथन 4 सही है मिनर्वा मिल्स केस (1980) में -सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि प्रस्तावना संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है और इसे संशोधित नहीं किया जा सकता यदि यह मूल संरचना को प्रभावित करता है।

150.(B)

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है-भारत में राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति भारत सरकार अधिनियम, 1935 से ली गई है, न कि अमेरिकी संविधान से।
- कथन 2 सही है आपातकालीन प्रावधानों की प्रेरणा जर्मनी (Weimar Constitution) से ली गई है।
- कथन 3 गलत है न्यायिक समीक्षा की अवधारणा - अमेरिका से ली गई है, कनाडा से नहीं।
- कथन 4 सही है - स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का विचार फ्रांस की क्रांति (1789) से लिया गया है।

Mitra
रिजल्ट का साथी

व्याख्या:

@resultmitra  www.resultmitra.com

 9235313184, 9235440806

महत्वपूर्ण सूचना

प्रिय साथियों,

Result Mitra आपके सिलेक्शन तक आपके साथ बना रहा हैं और आगे भी बना रहेगा। इसी commitment के साथ, हमने निर्णय लिया है कि 20 सितंबर से 71वीं BPSC MAINS की टेस्ट सीरीज शुरू की जाएगी। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप BPSC PRELIMS परीक्षा को अवश्य उत्तीर्ण करेंगे। इसलिए यह समय अब रुकने का नहीं, बल्कि MAINS की तैयारी को सही दिशा और सही approach के साथ निरंतर मेहनत जारी रखने का है।

विदित है कि पिछली 70वीं BPSC MAINS टेस्ट सीरीज में हमारे लगभग 40% प्रश्न परीक्षा में आए थे। इस बार (71वीं BPSC MAINS) हम नया इतिहास रचने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अतः साथियों, इस अवसर को हाथ से जाने न दें। आइए, Result Mitra MAINS टेस्ट सीरीज प्रोग्राम के साथ जुड़े और बेहतर भविष्य के लिए बेहतर परिणाम को सुनिश्चित करें।

धन्यवाद

9235313184, 9667693596

IAS-PCS Institute



महत्वपूर्ण सूचना

प्रिय साथियों,

Result Mitra आपके सिलेक्शन तक आपके साथ बना रहा है और आगे भी बना रहेगा। इसी commitment के साथ, हमने निर्णय लिया है कि 20 सितंबर से 71वीं BPSC MAINS की टेस्ट सीरीज शुरू की जाएगी। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप BPSC PRELIMS परीक्षा को अवश्य उत्तीर्ण करेंगे। इसलिए यह समय अब रुकने का नहीं, बल्कि MAINS की तैयारी को सही दिशा और सही approach के साथ निरंतर मेहनत जारी रखने का है।

विदित है कि पिछली 70वीं BPSC MAINS टेस्ट सीरीज में हमारे लगभग 40% प्रश्न परीक्षा में आए थे। इस बार (71वीं BPSC MAINS) हम नया इतिहास रचने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अतः, साथियों, इस अवसर को हाथ से जाने न दें। आइए, Result Mitra MAINS टेस्ट सीरीज प्रोग्राम के साथ जुड़े और बेहतर भविष्य के लिए बेहतर परिणाम को सुनिश्चित करें।

धन्यवाद 🙏

9235313184, 9667693596